उत्तर प्रदेश शासन द्वारा विज्ञापन मान्यता प्राप्त राष्ट्रीय हिन्दी साप्ताहिक समाचार पत्र

बी पी एस न्यूज

सच का साथी.....

www.bpsnews.in

वर्षः 11 || अंकः6 || पृष्ठः 8 || मूल्य 2:00/- रुपए || कानपुर || सोमवार || 09 मार्च-2026

अंदर के पृष्ठ पर | चमनगंज पुलिस की सक्रियता से दबोचा गया जिला बदर शातिर अपराधी 8 | बंगाल में हुआ राष्ट्रपति का अपमान, राज्य सरकार जिम्मेदार: पीएम मोदी 5

ईरान में इस्राइल के हमले जारी, तेल भंडारण में किया अटैक, उठे आग के शोले

» बीपीएस न्यूज

दुबई/डोरल। पश्चिम एशिया में लगातार बढ़ते संघर्ष के बीच ईरान की राजधानी तेहरान में एक तेल भंडारण सुविधा के ऊपर आग की लपटों के गुबार उठते दिखाई दिए और इस्राइली प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने सप्ताह भर से जारी युद्ध के अगले चरण में कई आश्चर्यजनक कदम उठाए जाने की चेतावनी दी।

इस्राइल की सेना ने पुष्टि की कि उसने तेहरान में ईंधन भंडारण केंद्रों पर हमला किया। ऐसा प्रतीत होता है कि युद्ध में पहली बार किसी असैन्य औद्योगिक प्रतिष्ठान को निशाना बनाया गया है।

सरकारी मीडिया ने राजधानी और उत्तर में पड़ोसी प्रांतों को आपूर्ति करने वाले इस केंद्र पर हमलों के लिए अमेरिका और यहूदी शासन को जिम्मेदार ठहराया। नेतन्याहू ने शनिवार रात कहा कि ईरान में युद्ध के अगले चरण के लिए इस्राइल के पास कई आश्चर्यजनक कदमों की एक सुनियोजित योजना है।

उन्होंने कहा कि उनका लक्ष्य ईरान में शासन को अस्थिर करना और परिवर्तन को संभव बनाना है। इससे पहले, ईरान के राष्ट्रपति मसूद पेजेश्कियान ने पड़ोसी देशों पर हमलों के लिए शनिवार को माफी मांगी जबकि इस बीच उनके देश ने खाड़ी अरब देशों पर मिसाइल और ड्रोन दागना जारी रखा। ईरान के कट्टरपंथियों ने जोर देकर कहा कि तेहरान की युद्ध रणनीति नहीं बदलेगी।

युद्ध में तनाव कम करने की कोशिश करने वाले नेताओं और अमेरिका एवं इस्राइल से लड़ाई के लिए प्रतिबद्ध अन्य कट्टरपंथियों के बीच मतभेद किसी भी कूटनीतिक प्रयास को जटिल बना सकते हैं।

युद्ध के दौरान शुरुआती हवाई हमलों में ईरान

के सर्वोच्च नेता अयातुल्ला अली खामेनेई के मारे जाने के बाद से ईरान की निगरानी कर रही नेतृत्व परिषद के तीन सदस्यों में से दो की ओर से परस्पर विरोधी बयान आए।

पेजेश्कियान ने अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की बिना शर्त आत्मसमर्पण की मांग खारिज कर दी।पेजेश्कियान ने कहा, यह एक ऐसा सपना है, जिसे उन लोगों को अपने साथ कब्र में ले जाना चाहिए। पेजेश्कियान के संदेश के तुरंत बाद, ट्रंप ने शनिवार को सोशल मीडिया पर एक पोस्ट में चेतावनी दी कि युद्ध में और भी ईरानी अधिकारी निशाने पर आएंगे। उन्होंने लिखा,आज ईरान पर जबरदस्त प्रहार किया जायेगा।

ट्रंप ने अपनी वेबसाइट ट्रुथ सोशल पर ये टिप्पणियां कीं, जिसमें उन्होंने तेहरान के हमलों को लेकर ईरान के राष्ट्रपति मसूद पेजेश्कियान द्वारा पड़ोसी देशों से माफी मांगने का जिक्र किया। उन्होंने लिखा, ईरान के खराब व्यवहार के कारण अब ऐसे इलाकों और लोगों के समूहों को भी निशाना बनाने पर गंभीरता से विचार किया जा रहा है, जिन्हें निशाना बनाने के बारे में अब तक नहीं सोचा गया था।ईरानी राष्ट्रपति ने हमलों को लेकर खाड़ी अरब देशों में बढ़ते आक्रोश को शांत करने की कोशिश की। वहीं कुछ ही घंटे पहले, मिसाइल और ड्रोन हमलों ने दुबई अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर उड़ानों को बाधित किया। सऊदी अरब की एक प्रमुख तेल इकाई को निशाना बनाया गया और बहरीन में कई बार लोगों को जान बचाने के लिए भागने पर मजबूर कर दिया।

पेजेश्कियान का संदेश पेशेवर प्रसारण उपकरणों के बिना जल्दबाजी में रिकॉर्ड किया गया प्रतीत होता है। यह एक बार फिर इस बात को रेखांकित करता है कि ईरान के नेताओं का अपने उस अर्धसैनिक रिवॉल्यूशनरी गार्ड पर सीमित प्रभाव है, जो इस्राइल और अन्य देशों को निशाना बनाने वाली मिसाइल को नियंत्रित करता है। यह रिवॉल्यूशनरी गार्ड केवल खामेनेई के प्रति जवाबदेह था और अब संघर्ष बढ़ने के साथ-साथ अपने लक्ष्य स्वयं चुनता प्रतीत हो रहा है।

ईरान की नेतृत्व परिषद के एक अन्य सदस्य और कट्टरपंथी न्यायपालिका प्रमुख गुलाम हुसैन मोहसिनी-एजेई ने संकेत दिया कि युद्ध रणनीति नहीं बदलेगी। उन्होंने एक्स पर लिखा, क्षेत्र के कुछ देशों का भूगोल-प्रत्यक्ष और परोक्ष, दोनों तरह से - दुश्मन के हाथ में है और उन स्थानों का इस्तेमाल हमारे देश के खिलाफ आक्रामक कार्रवाइयों में किया जा रहा है।

इन लक्ष्यों पर तीव्र हमले जारी रहेंगे।ईरान की संसद के अध्यक्ष और रिवॉल्यूशनरी गार्ड के पूर्व जनरल मोहम्मद बाघेर गालिबफ ने एक्स पर कहा, जब तक क्षेत्र में अमेरिकी ठिकानों की मौजूदगी जारी रहेगी, तब तक ये देश शांति से नहीं रह सकेंगे। ईरान के शीर्ष सुरक्षा अधिकारी अली लारिजानी ने शनिवार देर रात सरकारी मीडिया द्वारा प्रसारित एक संबोधन में कहा, हमारे नेता इस मुद्दे पर एकजुट हैं और उनमें आपस में कोई मतभेद नहीं है।इस बीच ट्रंप ने कहा कि उन्होंने कुर्द लड़ाकों के युद्ध में शामिल करने की संभावना खारिज कर दी है, हालांकि क्षेत्र में ये लड़ाके ईरानी सरकार को गिराने के प्रयासों में मदद करने को तैयार हैं। ट्रंप ने एयर फोर्स वन में संवाददाताओं से कहा, कुर्द लड़ाकों को शामिल करने के बिना पहले से ही युद्ध काफी जटिल है।

कई पंपों पर खत्म हुआ पेट्रोल दिखने लगा युद्ध का असर

नोएडा-ग्रेटर नोएडा-गाजियाबाद में नहीं मिला लोगों को तेल

» बीपीएस न्यूज

नई दिल्ली। खाड़ी देशों में युद्ध का असर नोएडा और ग्रेटर नोएडा में दिखने लगा है। रविवार को कई पेट्रोल पंपों पर ईंधन नहीं पहुंचा। जिस कारण कई जगह पेट्रोल खत्म हो गया। पंप संचालकों ने कंपनियों से संपर्क किया तो वहां से सोमवार तक ईंधन की गाड़ियां आने का दावा किया है। वहीं जिला आपूर्ति विभाग के अफसरों का कहना है कि ईंधन की कमी नहीं है, लेकिन ट्रांसपोर्ट की परेशानी आ सकती है। कंपनियों ने आपूर्ति सामान्य होने का आश्वासन दिया है।

ईरान और अमेरिका-इस्राइल युद्ध के कारण कच्चे तेल के दाम बढ़ रहे हैं। इस कारण काफी देशों में पेट्रोल और डीजलों की कीमतों में वृद्धि की गई है। भारत में भी वृद्धि होने की आशंका है। इसके डर के कारण शनिवार को काफी पेट्रोल पंपों पर वाहनों की लाइन लगी रही। लोगों ने कार का टैंक फुल करवाया है। एक पंट्रोल पंप के संचालक ब्रिजेश कुमार ने बताया कि लोगों की मारामारी के कारण देर रात की पेट्रोल खत्म हो गया।

जिले में कई पंप पर पेट्रोल नहीं रहा। वहीं रविवार को पेट्रोल की गाड़ी नहीं आई। इस कारण पूरे दिन पंपों पर पेट्रोल की बिक्री नहीं हो सकी। वाहन चालकों को वापस भेजा गया। उन्होंने बताया कि गाजियाबाद में भी कुछ पंपों पर पेट्रोल खत्म हो गया है। पेट्रोलियम कंपनियों ने कोई ठोस कारण नहीं बताया है। सोमवार तक पेट्रोल की आपूर्ति होने का आश्वासन दिया है। वहीं प्रभारी जिला पूर्ति अधिकारी स्मृति गौतम का कहना है कि पेट्रोल की कीमत बढ़ने की आशंका से कंपनियों ने इनकार किया है। उनके पास ईंधन भी पर्याप्त मात्रा में है। केवल ट्रांसपोर्ट की दिक्कत आई है। उससे आपूर्ति बाधित नहीं होने का दावा किया है।

युद्ध के बढ़ते तनाव से बाजार में हड़कंप

शीर्ष 10 में से 8 कंपनियों का मार्केट कैप 2.81 लाख करोड़ रुपये घटा

» बीपीएस न्यूज

नयी दिल्ली। पिछले सप्ताह भारतीय शेयर बाजार में आई तेज गिरावट का असर देश की सबसे बड़ी कंपनियों के बाजार मूल्य पर भी साफ दिखाई दिया। शीर्ष 10 सबसे मूल्यवान कंपनियों में से 8 कंपनियों के संयुक्त बाजार पूंजीकरण में कुल 2,81,581.53 करोड़ रुपये की कमी दर्ज की गई। इस गिरावट में सबसे ज्यादा नुकसान देश के सबसे बड़े सार्वजनिक बैंक State Bank of India को उठाना पड़ा।

सप्ताह के दौरान निवेशकों की धारणा कमजोर रहने से प्रमुख कंपनियों के शेयरों में बिकवाली देखने को मिली। इसी का असर बाजार पूंजीकरण पर भी पड़ा। इस अवधि में भी भारी गिरावट दर्ज की गई। बीते सप्ताह सेंसेक्स 2,368.29 अंक यानी 2.91 प्रतिशत टूटकर बंद हुआ।बाजार विशेषज्ञों के अनुसार, पश्चिम एशिया में बढ़ते भू-राजनीतिक तनाव और कच्चे तेल की कीमतों में

तेज उछाल ने निवेशकों की चिंता बढ़ा दी।

सीनियर वाइस प्रेसिडेंट और रिसर्च प्रमुख हैं, ने कहा कि अवकाश के कारण छोटा रहा यह कारोबारी सप्ताह बाजार के लिए काफी चुनौतीपूर्ण रहा। वैश्विक परिस्थितियों और ऊर्जा कीमतों में बढ़ोतरी ने निवेशकों के भरोसे को प्रभावित किया, जिससे शेयर बाजार में भारी गिरावट दर्ज की गई।

सबसे अधिक गिरावटके बाजार पूंजीकरण में दर्ज की गई। कंपनी का मार्केट कैप 53,952.96 करोड़ रुपये घटकर 10,55,567.27 करोड़ रुपये रह गया।

इसके अलावा प्रमुख निजी बैंक का बाजार मूल्य 46,936.82 करोड़ रुपये घटकर 9,40,049.82 करोड़ रुपये पर आ गया। वहीं देश के सबसे बड़े निजी बैंक का मार्केट कैप भी 46,552.3 करोड़ रुपये घटकर 13,19,107.08 करोड़ रुपये रह गया।इंफ्रास्ट्रक्चर क्षेत्र की दिग्गज कंपनी को भी भारी झटका लगा। कंपनी का बाजार पूंजीकरण 45,629.03 करोड़ रुपये घटकर 5,43,208.36 करोड़ रुपये पर आ गया।वित्तीय सेवा क्षेत्र की कंपनी का बाजार पूंजीकरण 28,934.56 करोड़ रुपये घटकर 5,91,136.03 करोड़ रुपये रह गया। इसी तरह आईटी क्षेत्र की दिग्गज कंपनी का मार्केट कैप 28,492.44 करोड़ रुपये घटकर 9,25,380.15 करोड़ रुपये पर पहुंच गया।

एफएमसीजी क्षेत्र की प्रमुख कंपनी का बाजार मूल्य 26,350.67 करोड़ रुपये घटकर 5,23,042.51 करोड़ रुपये रह गया। वहीं टेलीकॉम सेक्टर की बड़ी कंपनी के बाजार पूंजीकरण में 4,732.75 करोड़ रुपये की गिरावट दर्ज की गई और यह 10,67,120.50 करोड़ रुपये पर आ गया।

ट्रंप को कीमत चुकानी पड़ेगी, ईरान के शीर्ष अधिकारी लारीजानी की अमेरिका को खुली चेतावनी

» बीपीएस न्यूज

तेहरान। ईरान की ओर से अमेरिका को दी गई यह चेतावनी और दोनों देशों के बीच बढ़ता सैन्य तनाव, मध्य पूर्व में स्थिति को और खतरनाक बना रहा है। इस बीच ईरान के शीर्ष सुरक्षा अधिकारी अली लारीजानी ने ट्रंप को कड़ा संदेश दिया है।ईरान के शीर्ष सुरक्षा अधिकारी अली लारीजानी ने अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को कड़ा संदेश दिया है। उन्होंने कहा है कि ईरान अपने नेता और अपने लोगों के मारे जाने का बदला लेगा। ईरान के सुप्रीम लीडर अली खामेनेई के बहुत करीबी रहे लारीजानी ने साफ कहा, ÷हम अपने नेता और अपने लोगों के खून का बदला जरूर लेंगे। ट्रंप को इसकी कीमत चुकानी पड़ेगी।÷यह बयान ऐसे समय में सामने आया है, जब ईरान के साथ अमेरिका और इस्राइल एक बड़े सैन्य टकराव में उलझे हुए हैं। लारीजानी ने यह भी कहा कि ईरान अमेरिका और इस्राइल के ठिकानों पर हमले कर रहा है और उन्हें भारी नुकसान पहुंचा रहा है। उन्होंने वेनेजुएला का उदाहरण देते हुए कहा कि अमेरिका को लगा था कि वह युद्ध जल्दी जीत लेगा, जैसा उसने वेनेजुएला में किया था, लेकिन इस बार वह नाकाम रहा।इससे पहले अली लारीजानी ने शनिवार को कुछ ऐसे दावे किए जिनसे सनसनी फैल गई। उन्होंने कहा कि ईरान ने कई अमेरिकी सैनिकों को पकड़ लिया है, जो जेलों में बंद हैं। हालांकि, अमेरिका ने इन दावों को तुरंत खारिज कर दिया। अमेरिका के एक सैन्य प्रवक्ता ने कहा कि ईरान के ये दावे उसके झूठ का एक और उदाहरण हैं।लारीजानी ने ट्रंप पर यह भी आरोप लगाया कि वह ईरान के हमलों में मारे गए छह अमेरिकी सैनिकों की मौत के बारे में झूठी खबरें फैला रहे हैं। उनका कहना है कि असल में मरने वाले अमेरिकी सैनिकों की संख्या 500 से ज्यादा है। उन्होंने सोशल मीडिया पर लिखा कि अमेरिका धीरे-धीरे मरने वालों की संख्या बढ़ाता है और कभी दुर्घटनाएं तो कभी और बहाने बताता है। उन्होंने यह भी कहा कि कुछ अमेरिकी सैनिक बंदी बनाए गए हैं। लेकिन अमेरिका कह रहा है कि वे युद्ध में मारे गए।

पश्चिम एशिया युद्ध पर बोले संजय राउत पीएम मोदी की चुप्पी पर उठाए सवाल

» बीपीएस न्यूज

मुंबई। शिवसेना (यूबीटी) नेता संजय राउत ने पश्चिम एशिया में जारी संघर्ष में भारत की चुप्पी पर सवाल उठाए हैं। मुखपत्र सामना में लिखे कॉलम 'रोकठोक' में उन्होंने कहा कि इतने बड़े अंतरराष्ट्रीय संकट में भारत की भूमिका दिखाई नहीं दे रही और देश ने वैश्विक मंच पर अपना वजूद खो दिया है। राउत ने यह भी आरोप लगाया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी अब तक इस मुद्दे पर चुप हैं।

शिवसेना (यूबीटी) के वरिष्ठ नेता और राज्यसभा सांसद संजय राउत ने रविवार को पश्चिम एशिया में बढ़ते युद्ध को लेकर केंद्र सरकार पर तीखी टिप्पणी की। उन्होंने कहा कि इस संकट के बीच भारत की अंतरराष्ट्रीय स्तर पर मौजूदगी और भूमिका लगभग खत्म होती दिखाई दे रही है।

राउत ने यह बात शिवसेना (यूबीटी) के मुखपत्र सामना के साप्ताहिक कॉलम 'रोकठोक' में लिखी। उन्होंने कहा कि पश्चिम एशिया में ईरान और इस्राइल के बीच बढ़े तनाव और अमेरिका की भूमिका के कारण स्थिति बेहद गंभीर हो गई है और भारत एक देश के तौर पर इस स्थिति में पूरी तरह से अपना वजूद खो चुका है।

राउत के मुताबिक, इस पूरे संकट में भारत को आगे आकर युद्ध रोकने की कोशिश करनी चाहिए थी, क्योंकि यह एक बड़ा वैश्विक मुद्दा बन चुका है। लेकिन भारत की तरफ से इस मामले में कोई ठोस पहल नहीं दिखी। उन्होंने कहा कि दुनिया के सामने भारतीय नेतृत्व की कमजोरी भी उजागर हो रही है। राउत ने यह भी आरोप लगाया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इस गंभीर अंतरराष्ट्रीय संकट पर अब तक एक शब्द भी नहीं कहा है।

अमेरिका और इस्राइल पर भी बोला तीखा हमलासंजय राउत ने अमेरिका और इस्राइल पर भी तीखा हमला बोला। उन्होंने कहा कि डोनाल्ड ट्रंप के नेतृत्व में अमेरिका और इस्राइल दुनिया में दबंगई दिखा रहे हैं और खुद को सबसे ताकतवर समझते हैं। राउत के अनुसार, इन देशों को लगा कि वे ईरान को बहुत आसानी से हरा देंगे। उन्होंने कहा कि इस्राइल और अमेरिका को लगा था कि ईरान के सर्वोच्च नेता अयातुल्ला अली खामेनेई की हत्या के बाद युद्ध जल्दी खत्म हो जाएगा। युद्ध के दौरान ईरान के कई बड़े नेता और सैन्य अधिकारी भी मारे गए, लेकिन इसके बावजूद ईरान लगातार जवाबी हमला कर रहा है और युद्ध जारी है।

ग्लोबल बुली की तरह व्यवहार का आरोप

राउत ने आरोप लगाया कि अमेरिका और इस्राइल दुनिया के ग्लोबल बुली की तरह व्यवहार कर रहे हैं। वहीं उन्होंने कहा कि भारत जैसे बड़े देश, जो पहले अपनी बहादुरी की बात करते थे, अब इन देशों के एजेंट की तरह काम कर रहे हैं। अपने लेख में राउत ने कहा कि पश्चिम एशिया में बढ़ते युद्ध के बीच भारत को मजबूत और स्वतंत्र रुख अपनाना चाहिए था, लेकिन ऐसा होता नहीं दिख रहा है।

एलपीजी सिलेंडर की कीमत को लेकर ममता बनर्जी ने खोला केन्द्र सरकार के खिलाफ मोर्चा

» बीपीएस न्यूज

कोलकाता। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने शनिवार को केंद्र सरकार पर तीखा हमला बोलते हुए आरोप लगाया कि बढ़ती गैस की कीमतों और विशेष गहन संशोधन (एसआईआर) प्रक्रिया के जरिए सरकार बंगाल को तोड़ने की कोशिश कर रही है। कोलकाता में एक कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री ने एलपीजी सिलेंडर की कीमतों में बढ़ोतरी का मुद्दा उठाया और उपभोक्ताओं को 21 दिन पहले गैस बुक करने के लिए अनिवार्य किए गए नए बुकिंग दिशानिर्देशों पर चिंता व्यक्त की। उन्होंने कहा कि गैस की कीमतें फिर से बढ़ गई हैं। अब आपको 21 दिन पहले गैस बुक करनी होगी, तो अगर आपके घर में गैस खत्म हो जाए तो आप 21 दिन क्या करेंगे? आप क्या खाएंगे? क्या आप लोगों को घर पर खाना पहुंचाएंगे? यहां तक कि केरोसिन का कोटा भी कम कर दिया गया है। आप हर दिन चीजों की कीमतें बढ़ा रहे हैं। उन्होंने कीमतों में बढ़ोतरी के पीछे के इरादे पर सवाल उठाया।मुख्यमंत्री ने केंद्र सरकार पर राज्य को राजनीतिक रूप से निशाना बनाने का भी आरोप लगाया। उन्होंने आगे कहा कि क्या आप वोट रद्द करवाना चाहते हैं? बंगाल को तोड़ने के लिए? दूसरे शायद आपसे डरते हों, लेकिन हम नहीं। हम आपका पर्दाफाश करेंगे। बनर्जी ने एलपीजी की बढ़ती कीमतों, केरोसिन की कमी और एसआईआर प्रक्रिया से महिलाओं के नाम हटाए जाने के विरोध में कल एक विरोध रैली आयोजित करने की घोषणा भी की। एक व्यापक साजिश का आरोप लगाते हुए उन्होंने दावा किया कि केंद्र सरकार भंग बंगाल की कोशिश कर रही है, लेकिन उन्होंने कहा कि ऐसी योजना सफल नहीं होगी। उन्होंने आगे कहा भंग बंगाल की एक योजना है, और यह सिर्फ एक योजना ही रहेगी।

पहले एपस्टीन से निपटें, फिर बंगाल की ओर देखें। कमजोर वर्गों को समर्थन देने के उद्देश्य से, बनर्जी ने दो कल्याणकारी योजनाओं, बंग्लार युवा साथी और भूमिहीन खेत मजदूर, को तत्काल लागू करने की घोषणा की, जो मूल रूप से अप्रैल में शुरू होने वाली थीं।

उन्होंने कहा कि हमने बजट में दो योजनाओं की घोषणा की थी। एक है बंग्लार युवा साथी और दूसरी है भूमिहीन खेत मजदूर। दोनों योजनाएं अप्रैल से शुरू होने वाली थीं, लेकिन हमने इन्हें आज से शुरू करने का फैसला किया है। उन्होंने आगे कहा कि इन पहलों का मुख्य उद्देश्य प्रवासी श्रमिकों और जूट उद्योग के मजदूरों के कौशल विकास पर ध्यान केंद्रित करना है, जिससे लगभग 10 लाख लाभार्थियों को लाभ मिलेगा। उन्होंने कहा, यदि प्रवासी श्रमिक इच्छुक हैं, तो हम उनके साथ कौशल विकास कार्यक्रम में शामिल होंगे, और जूट श्रमिक भी इस कौशल विकास में भाग लेंगे। श्रमिकों की संख्या लगभग 10 लाख है। मुख्यमंत्री ने यह भी दावा किया कि कई सरकारी

अपनी बात....

संपादकीय .....

बढ़ेंगी हमारी मुश्किलें

'समरथ को नहिं दोष गुसाईं' उक्ति की तर्ज पर ईरान पर हुए अमेरिकी-इस्राइली हमले को पश्चिमी देशों द्वारा तार्किक बताया जा रहा है। इस हमले में ईरान के सुप्रीम लीडर आयतुल्ला खामेनेई तथा उनके परिजनों समेत कई लोगों की मौत को किसी भी तरह न्यायसंगत नहीं ठहराया जा सकता। यह समय वैश्विक कानून-व्यवस्था के भंग होने और अमेरिका के साम्राज्यवादी मंसूबों के सिरे चढ़ने का है। जब से ट्रंप अमेरिका के राष्ट्रपति बने हैं, उन्होंने वैश्विक संप्रभुता और संयुक्त राष्ट्र समेत दुनिया की तमाम नियामक संस्थाओं को बेबस बना दिया है। वेनेजुएला में हमला करके राष्ट्रपति निकोलेस मादुरो को गिरफ्तार करके अमेरिका ले जाने के बाद अब खामेनेई की परिवार समेत हत्या ने दर्शा दिया है कि दुनिया फिर जंगल-राज की तरफ बढ़ रही है।

शक्ति बंदूक की नोक से निकलती दिख रही है। छोटे राष्ट्रों की संप्रभुता संकट में है। यूक्रेन पर रूसी आक्रमण, वेनेजुएला व ईरान पर अमेरिकी हमला बता रहा है कि आने वाले दिनों में ताइवान जैसे अन्य संकटग्रस्त देशों के सामने अस्तित्व बनाये रखने की चुनौती होगी।

पूरी दुनिया में आपूर्ति श्रृंखला में आये व्यवधान तथा ट्रंप के टैरिफ आतंकवाद से दुनिया की अर्थव्यवस्था पहले ही चरमरा रही है। रोजगार के अवसर कम हुए हैं और लोगों को भारी महंगाई का सामना करना पड़ रहा है। ईरान पर अमेरिका-इस्राइल के हमले की प्रतिक्रिया मध्यपूर्व के अलावा पश्चिमी देशों में आने वाले समय में दिखाई देगी। जिसकी असली कीमत मानवता को ही चुकानी होगी।निस्संदेह, आने वाले दिनों में भारत को ईरान-अमेरिकी संघर्ष की कीमत चुकानी होगी। इससे भारत की मुश्किलें बढ़ने वाली हैं।

भारत के लिये मुश्किल यह भी है कि ईरान पर हमला प्रधानमंत्री की इस्राइल यात्रा के तुरंत बाद हुआ है। जिससे भारत के लिये मध्यपूर्व को लेकर विदेश नीति में असमंजस की स्थिति पैदा हो गई है। इसका सीधा असर भारत की अर्थव्यवस्था पर पड़ सकता है। इससे हार्मुज स्ट्रेट रूट से भारत को होने वाली कच्चे तेल की आपूर्ति में बाधा उत्पन्न होगी। वहीं दूसरी ओर मध्यपूर्व में कार्यरत नब्बे लाख से अधिक भारतीयों पर प्रत्यक्ष या परोक्ष प्रभाव पड़ेगा और उनके द्वारा भारत भेजी जाने वाली धनराशि भी प्रभावित होगी। भारत द्वारा आयातित कच्चे तेल की पचास फीसदी आपूर्ति होर्मुज स्ट्रेट रूट से होती है। रूसी तेल खरीदने पर अमेरिकी दबाव के चलते भी इस रूट से भारतीय आपूर्ति बढ़ी है। इस क्षेत्र में तनाव बढ़ने का सीधा असर भारत में कच्चे तेलों के दामों पर पड़ेगा। भविष्य में भारतीयों को तेल कीमतों में वृद्धि का सामना करना पड़ेगा। वहीं लाल सागर से होने वाली तेल आपूर्ति भी ईरान समर्थक हूती विद्रोहियों की धमकी से प्रभावित होगी। कूटनीतिक स्तर पर भी भारत को असहज स्थिति का सामना करना पड़ेगा। भारत इस समय ग्लोबल साउथ के नेतृत्व का दावा करता है और फिलहाल ब्रिक्स की अध्यक्षता कर रहा है, ईरान भी पिछले साल ब्रिक्स का सदस्य बन चुका है। ऐसे में क्या भारत इस हमले का विरोध करने की स्थिति में है? भारत ईरान से पुराने संबंधों के चलते क्या अमेरिका से दूरी बना सकता है?

न्याय निष्पक्षता के महत्व की रक्षा हो

नितिन शुक्ला

न्यायपालिका के प्रति पूरा सम्मान रखने के बावजूद इस बात से इंकार नहीं किया जा सकता कि न्याय-व्यवस्था से जुड़े व्यक्ति भी उसी समाज से आते हैं जिसका हम सब हिस्सा हैं। यह कौन कह सकता है कि हमारा समाज शत-प्रतिशत ईमानदार है?

अब यह बात पुरानी नहीं बल्कि बहुत पुरानी लगती है। सातवीं या आठवीं कक्षा में पढ़ता था मैं। सामूहिक गीत गवाये जाने की प्रथा थी तब स्कूल में। दो ऐसे गीतों की पंक्तियां मुझे आज, सत्तर-पचहत्तर साल बाद, भी याद हैं, अच्छी लगती थीं मुझे यह पंक्तियां। एक कविता में नया ज़माना लाने की बात कही गयी थी॥ 'दे वरदान हमें माता हम निकले आन निभाने को... जहां बेटियां बिकती हैं, बेटों का मोल किया जाता... ऐसे समाज के ढांचे की हम निकले नींव हिलाने को...' और एक कविता थी॥ 'मेरा देश कि जिसकी मिट्टी सोना उगले, और जहां की भूखी जनता मिट्टी निगले... न्याय दास है यहां करेंसी के नोटों का, शासन भिखमंगा है जनता के वोटों का...।'

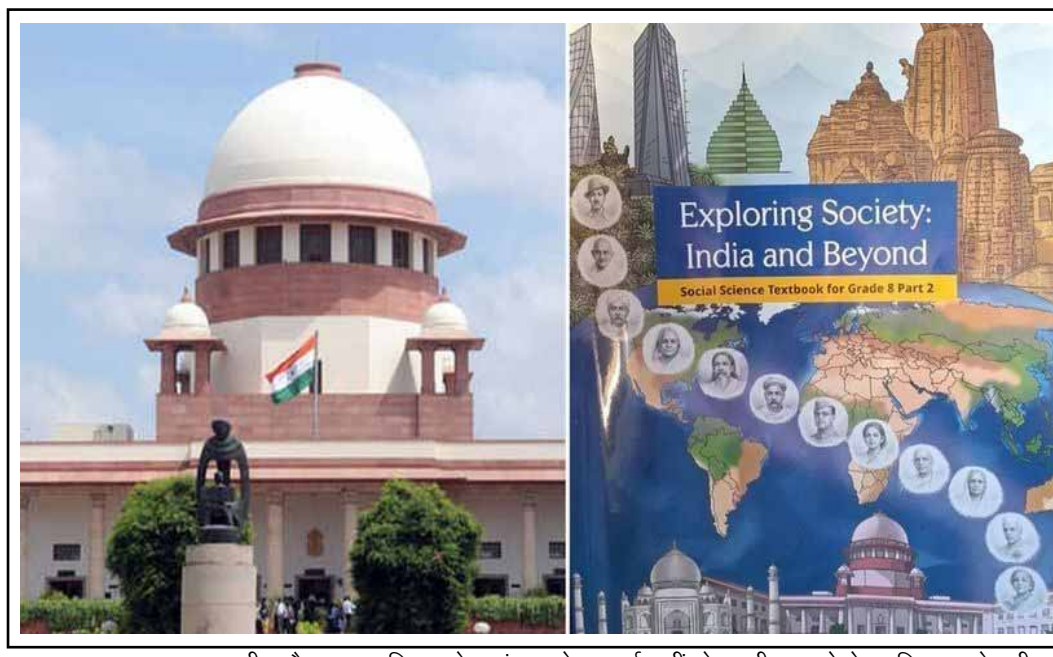

आज न्यायपालिका में भ्रष्टाचार के आरोपों को लेकर देश में एक विवाद-सा चल रहा है। हुआ यह है कि राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद (एनसीईआरटी) की आठवीं कक्षा की एक पुस्तक में देश की न्यायपालिका में भ्रष्टाचार शीर्षक से एक पाठ शामिल किया गया था। उच्चतम न्यायालय ने इस पर आपत्ति उठायी है। उन्हें लग रहा है कि आठवीं कक्षा के बच्चों को यह सब बताने से उनके कोमल मस्तिष्क पर गलत प्रभाव पड़ सकता है। न्यायपालिका के बारे में उनके मन में गलत अवधारणा बन सकती है। तर्क यह दिया जा रहा है कि आठवीं कक्षा में पढ़ने वाले बालक की बुद्धि इतनी परिपक्व नहीं होती कि वह मुद्दे की गहराई को समझ सके। न्यायालय ने आठवीं कक्षा की इस पुस्तक को प्रतिबंधित कर दिया है और एनसीईआरटी ने भी अपनी 'ग़लती' के लिए क्षमा मांग कर पुस्तक की बिक्री पर रोक लगा दी है। मैंने पुस्तक का यह विवादास्पद अध्याय नहीं पढ़ा है, पर इसके बारे में जितना कुछ मीडिया में आया है उसे देखते हुए यह अनुमान लगाना गलत नहीं होगा कि उच्चतम न्यायालय को यह आशंका है कि न्यायपालिका में भ्रष्टाचार के बारे में दी गयी जानकारी से आठवीं में पढ़ने वाले बालक की बाल-बुद्धि पर गलत प्रभाव पड़ेगा। जब बाल-बुद्धि वाली यह बात मैंने पढ़ी तो अनायास मुझे वे दो कविताएं याद आ गयीं, जिनकी चर्चा आलेख के प्रारंभ में की गयी है। मैं सोच रहा हूं कि क्या सचमुच इन कविताओं को पढ़कर मेरे मन में 'जर्जर समाज' या 'करेंसी नोटों की दास न्यायपालिका' के बारे में कोई ऐसी धारणा बन गयी थी जिसे ग़लत कहा या समझा जा रहा है? सच कहूं तो आठवीं कक्षा की अपनी पढ़ाई के दौरान और आज उसके लगभग सत्तर साल बाद भी, और उस कविता को पसंद करने के बावजूद, न्यायपालिका के महत्व को मैंने कभी कम नहीं आंका, और न ही कभी मुझे ऐसा लगा कि न्यायपालिका के बारे में मेरे मन में सम्मान कहीं कम हुआ है।जिन चार स्तंभों पर हमारा जनतंत्र टिका है, उनमें संभवत- सबसे महत्वपूर्ण स्तंभ है हमारी न्यायपालिका और आरोपों और अपवादों के बावजूद आज भी न्यायपालिका पर देश का भरोसा कम नहीं हुआ है। न्यायपालिका की कार्यप्रणाली और उसकी निष्पक्षता को लेकर सवाल भले ही उठते रहे हों, पर इस तथ्य से इंकार नहीं किया जा सकता कि कुल मिलाकर हमारी न्यायपालिका देश की जनता को एक भरोसा देती है। यह भरोसा बना रहे शायद यही मंशा रही होगी उच्चतम न्यायालय की जब उसने एनसीईआरटी की आठवीं कक्षा की किताब के एक अध्याय पर सवालिया निशान लगाया।

ऐसा नहीं है कि एनसीईआरटी की किताबों पर पहले कभी सवाल नहीं उठे। कई बार हुआ है ऐसा। कई बार इन किताबों में शामिल सामग्री विवादों के घेरे में आयी है। छोटी कक्षाओं में पढ़ाई जाने वाली यह किताबें हमारी भावी पीढ़ी का निर्माण करती हैं। इनकी निष्पक्षता और इनके महत्व की रक्षा होनी ही चाहिए। पर जहां तक न्यायपालिका के सम्मान और प्रतिष्ठा का सवाल है, इससे कोई समझौता नहीं किया जा सकता। न्यायपालिका के प्रति पूरा सम्मान रखने के बावजूद इस बात से इंकार नहीं किया जा सकता कि न्याय-व्यवस्था से जुड़े व्यक्ति भी उसी समाज से आते हैं जिसका हम सब हिस्सा हैं। यह कौन कह सकता है कि हमारा समाज शत-प्रतिशत ईमानदार है?

कचरा यदि कहीं है तो उसे कार्पेट के नीचे छुपा देने से सफाई नहीं हो जाती। कचरे के अस्तित्व को स्वीकार करना होगा, तभी सफाई की आशा की जा सकती है। हमारे न्यायालय में विभिन्न स्तरों पर लाखों मामले लंबित पड़े हैं। हमें स्वीकार करना होगा कि न्याय मिलने में देरी का मतलब न्याय न मिलना ही होता है। हकीकत यह भी है कि ऐसे मामलों की संख्या घटने के बजाय लगातार बढ़ती ही जा रही है। न्यायपालिका को स्वयं सोचना होगा कि यह कैसे सुधरे। रहा सवाल कुछ न्यायाधीशों पर भ्रष्टाचार के आरोपों का, तो हमें यह स्वीकारना होगा कि कुछ स्तरों पर खामियां हैं, भ्रष्टाचार है। लोकसभा में रखे गये आंकड़ों के अनुसार पिछले एक दशक में यानी सन? 2016 से सन? 2025 तक मौजूदा न्यायाधीशों के खिलाफ 8600 से अधिक शिकायत दर्ज की गयी हैं। इन शिकायतों में दिल्ली उच्च न्यायालय के न्यायाधीश यशवंत वर्मा के घर से मिली भारी मात्रा में नकदी का मामला शामिल है। अदालत में जनता का विश्वास बना रहे, इसके लिए ज़रूरी है कि ऐसे मामलों का निपटारा जल्दी से जल्दी हो।भ्रष्टाचार का मतलब सिर्फ नकद रिश्वत ही नहीं होता। मनवांछित निर्णय पाने के लिए राजनीतिक दबाव भी भ्रष्टाचार की श्रेणी में ही आता है। उच्च अदालतों में मामले अपने मनचाहे न्यायाधीशों के समक्ष ही आयें, इसके लिए होने वाली कोशिशें भी इसी श्रेणी में आती हैं। सिर्फ न्याय होना ही पर्याप्त नहीं होता, न्याय होते हुए दिखना भी चाहिए। यहां एक और आंकड़ा भी मुद्दे की गंभीरता को समझने में मदद कर सकता है। सन? 2007 में जारी 'ग्लोबल करप्शन रिपोर्ट' के अनुसार भारत में किए गये जनमत-सर्वेक्षण में 77 प्रतिशत लोगों ने न्याय व्यवस्था पर अविश्वास जताया था।

मुख्यमंत्रियों की लिस्ट में आप सदैव प्रमुखता से याद किये जाएंगे

खेल से बड़ा खिलाड़ी, जीओ बिहारी-जीओ बिहारी..!

राजनीतिक विशलेषक एवं पत्रकार जौनपुर यूपी

पंकज सीबी मिश्रा

बिहार में पहला भाजपाई मुख्यमंत्री कैसा होगा, किस बिरादरी से होगा, सवर्ण होगा, ओबीसी होगा या फिर दलित समाज का होगा.! चिराग पासवान होंगे कि राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ से होगा या फिर कांग्रेस अथवा आरजेडी से जुड़ा कोई नया भाजपाई होगा.! राजनीति में काफी समय तक रहकर विपक्ष की रणनीतियों और खामियों को भलीभांति समझने वाला असम के मुख्यमंत्री हेमंत विश्वशर्मा जैसा होगा, सिर्फ अपनी मेहनत और लोकप्रियता के दम पर शरद पंवार और ठाकरे परिवार जैसे दिग्गजों की जड़ों में मट्ठा डालकर सूबे में दोबारा सरकार बनाने का दमखम रखने वाला देवेंद्र फडणवीस जैसा मझा हुआ खिलाड़ी होगा अथवा हर भाषा को समझने और समझाने वाला पड़ोसी राज्य उत्तर प्रदेश के योगी आदित्यनाथ जैसा होगा ? कुछ भी होगा कोई भी होगा पर नीतीश कुमार जैसा नहीं होगा ! क्यूंकि राष्ट्रीय राजनीति में नीतीश कुमार की एंट्री पर अटकले तेज है।

? बिहार की जनता को यह जान लेना चाहिए कि बिहार विभाजन की ओर बढ़ रहा है। अपुष्ट सूत्र कह रहे कि पटना में आयोजित बैठक में अमित शाह ने पूर्वांचल और बंगाल के कुछ जिलों को मिलाकर केन्द्र शासित प्रदेश बनाने की योजना बनाई है। भाजपा नेताओं और नौकरशाहों को अवगत कराया गया है कि नये केन्द्र शासित प्रदेश बनाने का उद्देश्य मुस्लिम आबादी को इसके अधीन लाकर बिहार एवं बंगाल में हिन्दू आबादी के अनुपात को बढ़ाना है। भाजपा का मानना है कि दोनों प्रदेशों में हिंदुओं के अनुपात में बढ़ोतरी के बाद भाजपा अपने दम पर सत्ता प्राप्त कर सकती है। जदयू का विलय और नीतीश का राज्य से केंद्र में माइग्रेसन विपक्षी खेमे में चर्चा के लिए मशाला है।

कुछ समय पूर्व अमित शाह की अध्यक्षता में आयोजित उच्चस्तरीय बैठक में सम्राट चौधरी, प्रदेश के मुख्यसचिव, डीजीपी, जिलों के डीएम, एसपी शामिल थे। तब बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश को इसमें शामिल नहीं किया गया था।

यह पहली बार हुआ है जब इस तरह की बैठक से नीतीश कुमार को बाहर रखा गया। इस बैठक के माध्यम से यह स्पष्ट कर दिया गया है कि नीतीश कुमार के बाद बिहार में अब सिर्फ मुखौटा मुख्यमंत्री बनाकर सत्ता देखा जायेगा । बिहार का कमान भाजपा के हाथों में चला गया है और अमित शाह बिहार के वास्तविक मुख्यमंत्री के रूप में काम करना शुरू कर चुके हैं। बिहार के विकास में नीतीश कुमार कि भूमिका और कद बहुत बड़ा है। मुख्यमंत्री बनाये जाने के बाद से अब तक देखा जाए तो विकास की कई माईल

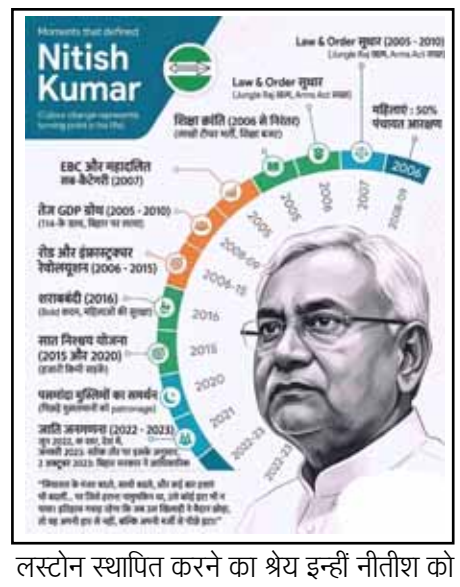

लस्टोन स्थापित करने का श्रेय इन्हीं नीतीश को जाता है। नीतीश के राज्यसभा नामांकन के बाद केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह मीडिया के सामने आए और नीतीश की तारीफों के पुल बांध दिए. अमित शाह ने अपने 3 मिनट 41 सेकेंड के संबोधन में कई बातें कहीं। नितीश कुमार जी बतौर मुख्यमंत्री बिहार के ईमानदार नेताओं में अव्वल रहे जो उनकी सादगी आज भी सभी नेताओं के लिए मार्गदर्शन का कार्य करती रहेगी। जदयू के नेताओं ने कहा आपको सलाम कुमार साहब !

बिहार के अब तक के सबसे बेहतरीन मुख्यमंत्रियों की लिस्ट में आप सदैव प्रमुखता से याद किये जाएंगे। आपने बिहार को जिस दहशत और खौफ़ के माहौल से निकालकर सुशासन (हालांकि आपके सुशासन मॉडल से मेरी कुछ असहमतियाँ भी रही हैं) के पथ पर लाने की भरपूर कोशिश की और जिसमें आप बहुत हद तक सफल भी रहे, उसके लिए बिहार की अधिसंख्य जनता सदैव आपकी आभारी रहेगी।

महिलाओं की सुरक्षा और आजादी पर तो खैर आप नि:सन्देह सबसे बेहतरीन मुख्यमंत्री रहे ही हैं। बिहार के मुख्यमंत्री से त्याग पत्र दे राज्य सभा के उम्मीदवार बने है आप तो जितेगे भी इसमें कत?ई सन्देह नही है। देश को उनके अनुभव की जितनी जरूरत है उससे थोड़ा भी कम नही बिहार के चयनित नये नेतृत्व को भी उनके अनुभव और उनसे सीखने की उतनी ही जरूरत होगी ।

अमित शाह ने अपने क़सीदे में कहा कि 'नीतीश कुमार जी नामांकन के साथ ही लंबे अर्से के बाद राष्ट्रीय राजनीति में प्रवेश करेंगे। उनका कार्यकाल एक प्रकार से बहुत ही यशस्वी रहा। उनका ये कार्यकाल बिहार के इतिहास में स्वर्णिम पृष्ठ के रूप में देखा जाएगा। बिहार के विकास के सारे मायनों को उन्होंने गति देने का काम किया। उन्होंने अपने शासनकाल में बिहार को जंगलराज से मुक्त करने का काम किया। उन्होंने बिहार की सड़कों को न सिर्फ गांव से जोड़ा बल्कि उसमें सुधार करने का भी काम किया। इतने लंबे करियर में सांसद, विधायक, केंद्रीय मंत्री, मुख्यमंत्री रहते हुए उनके कुर्ते पर कभी दाग नहीं लगा। इस मुद्दे पर चर्चा तेज हो गई है की अगला मुख्यमंत्री कौन होगा, जो लोग पुराने ढर्रे पर संघ परिवार का रट्टा लगाते रहे हैं वह यह भूल जाते हैं कि तमाम सारे भाजपाई मुख्यमंत्रियों में सबसे ज्यादा चर्चित मुख्यमंत्री हेमंत विश्वशर्मा और योगी बाबा रहे हैं ।भाजपा नेताओं और नौकरशाहों को अवगत कराया गया है कि नये केन्द्र शासित प्रदेश बनाने का उद्देश्य मुस्लिम आबादी को इसके अधीन लाकर बिहार एवं बंगाल में हिन्दू आबादी के अनुपात को बढ़ाना है।

भाजपा का मानना है कि दोनों प्रदेशों में हिंदुओं के अनुपात में बढ़ोतरी के बाद भाजपा अपने दम पर सत्ता प्राप्त कर सकती है। जदयू का विलय और नीतीश का राज्य से केंद्र में माइग्रेसन विपक्षी खेमे में चर्चा के लिए मशाला है। कुछ समय पूर्व अमित शाह की अध्यक्षता में आयोजित उच्चस्तरीय बैठक में सम्राट चौधरी, प्रदेश के मुख्यसचिव, डीजीपी, जिलों के डीएम, एसपी शामिल थे।

जो लोग सोशल इंजीनियरिंग और अनुभव को ज्यादा महत्व दे रहे हैं वो मध्य प्रदेश और राजस्थान को नजरंदाज कर रहे हैं। राजस्थान में पहली बार विधायक बने व्यक्ति को भाजपा ने मुख्यमंत्री बना दिया और वहां के तमाम पुराने दिग्गज भाजपाई ताकते रह गए फिलहाल वो दाँव गलत लग गया और मोहन यादव एमपी में सवर्णो के लिए बबुल बने हुए है। एक बात तो तय है कि जिसे भी न बनाने के लिए नीतीश जी अपना वीटो पावर इस्तेमाल करेंगे अर्थात नीतीश जी को जिससे एलर्जी होगी, उसे सीएम नहीं बनाया जायेगा।

अपनी समस्या हमें बतायें

आपके साथ या आपके आस-पास कोई घटना, दुर्घटना, भ्रष्टाचार, जुर्म हुआ है या उत्पीड़न हुआ है अथवा आपके क्षेत्र की समस्या है और आपकी समस्या जायज है तो आपकी समस्याओ के समाधान हेतु सम्बन्धित उच्च अधिकारियों एवं शासन-प्रशासन तक पहुंचाने के लिये बी पी एस न्यूज आपके साथ है। आपकी खबर शत् प्रतिशत प्रकाशित की जायेगी। एवं आपका नाम व नम्बर आपके अनुसार प्रकाशित या पूर्णतया गुप्त रखा जायेगा।

दिये गये नम्बर पर काल करें या हमें ई मेल करें।

फोन नं.- 8423454502,

bps.knp786@gmail.com

आवश्यक सूचना

प्रिय ग्राहकों/विज्ञापनदाताओ को सूचित किया जाता है कि बीपीएस न्यूज समाचार पत्र मे नगद भुगतान की व्यवस्था नहीं है। कृपया चेक/डी.डी. बी पी एस न्यूज के नाम से ही चेक आदि भेजें। नगद भुगतान की व्यवस्था नहीं है। नगद भुगतान करने पर विज्ञापनदाता स्वयं जिम्मेदार होंगे।

- संपादक

आवश्यकता है

बी पी एस न्यूज राष्ट्रीय हिन्दी साप्ताहिक समाचार पत्र व ऑनलाइन न्यूज चैनल (पोर्टल) के लिये समस्त तहसीलों एवं ब्लाक स्तर पर ब्यूरो चीफ, संवाददाताओ, छायाकार तथा विज्ञापन प्रतिनिधियों युवक-युवतियों की आवश्यकता है।

संपर्क करें -:मो.: 8423454502

email:bps.knp786@gmail.com

25,000 का इनामी वांछित अपराधी मनोज सिंह किया गया गिरफ्तार

» बीपीएस न्यूज

कानपुर। पुलिस उपायुक्त दक्षिण दीपेन्द्र नाथ चौधरी ने पत्रकारों को बताया कि थाना क्षेत्र गुजैनी से संबंधित एक सराहनीय कार्य में पुलिस टीम द्वारा ?25,000 के इनामी वांछित अभियुक्त मनोज सिंह उर्फ मालिक सिंह (निवासी-गुजैनी) को रात्रि में एकता पार्क के पास से गिरफ्तार किया गया। अभियुक्त अत्यंत शातिर प्रवृत्ति का है, जो हाल ही में लगभग ढाई वर्ष बाद जेल से छूटा था। इसके विरुद्ध अब तक कुल 39 अभियोग पंजीकृत हैं, जिनमें कई मामलों का ट्रायल न्यायालय में लंबित है।

अभियुक्त हाल के दिनों में क्षेत्र में लोगों को डराने-धमकाने एवं फिरौती मांगने की गतिविधियों में संलिप्त था। पूर्व में मैगी पॉइंट पर हुई फायरिंग की घटना में भी इसकी संलिप्तता पाई गई थी, जिसमें यह वांछित चल रहा था। गिरफ्तारी प्रभारी निरीक्षक गुजैनी एवं उनकी टीम द्वारा की गई। अभियुक्त के कब्जे से एक अवैध तमंचा बरामद हुआ है। कार्यवाही करते हुए अभियुक्त का चिकित्सीय परीक्षण कराकर उसे न्यायालय के समक्ष प्रस्तुत किया जा रहा है।

पिकिल बॉल चैंपियनशिप के विजयी खिलाड़ियों को विधानसभा अध्यक्ष सतीश महाना द्वारा दिया गया पुरस्कार

कानपुर। उत्तर प्रदेश विधानसभा अध्यक्ष सतीश महाना व सिग्ना स्पोर्ट्स वेंचर्स द्वारा इंडियन पिकिल बॉल संघ की पहली चैंपियनशिप के विजयी खिलाड़ियों को ट्राफी व नगद पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया। श्री महाना ने कहा की पिकिल बॉल जैसे खेल न केवल शारीरिक स्वास्थ्य के लिए लाभदायक है, बल्कि मानसिक तनाव को कम करने के लिए भी सहायक है।

सिग्ना स्पोर्ट्स वेंचर्स के पार्टनर वरुण भार्गव ने बताया कि लाजपत नगर में स्थित पिकिलस्पीन में दो इनडोर कर्वड कोर्ट है। जिसमें हर मौसम में 24 घंटे पिकिल बॉल खेला जा सकता है।पुरुष एकल में राजनवीर सिंह धारनी (मुंबई) विजेता व अरुनव वैश्य उपविजेता रहे। महिला एकल में वैष्णवी लोधी

(लखनऊ) विजेता व कनुश्री गर्ग उपविजेता रही। पुरुष युगल में दिव्य तुलसानी एवं नितिन जश्नानी विजेता व यश त्रिवेदी एवं चेतन्य कोहली उपविजेता रहे।

महिला युगल में रशिका अग्रवाल एवं मैहक मल्होत्रा विजेता व कनुश्री गर्ग एवं सची गुप्ता उपविजेता रही। मिश्रित युगल में वैष्णवी लोधी एवं मुकुल लोधी (लखनऊ) विजेता व अक्षत करवा एवं कनुश्री गर्ग उपविजेता रहे।

इस अवसर पर टूर्नामेंट डायरेक्टर विशाल भार्गव ने मुख्य अतिथि का आभार व्यक्त किया साथ ही विजयी खिलाड़ियों को शुभकामनाएं भी दी। कार्यक्रम में मुख्य रूप से संजय महाना, मनोज भार्गव, आकाश चड्ढ़ा, परमजीत सिंह भाटिया, लवी भाटिया, रिंकू भार्गव, विशाल भार्गव, वरुण भार्गव आदि मौजूद रहे।

कंपोजिट विद्यालय के औचक निरीक्षण में तीन शिक्षक मिले अनुपस्थित, जिलाधिकारी ने रोका वेतन

» बीपीएस न्यूज

कानपुर। जिलाधिकारी जितेंद्र प्रताप सिंह ने कंपोजिट विद्यालय कठेरुआ का औचक निरीक्षण किया। निरीक्षण में तीन शिक्षक अनुपस्थित मिले। इस पर जिलाधिकारी जितेन्द्र प्रताप सिंह ने कड़ी नाराजगी जताते हुए उनका वेतन अग्रिम आदेश तक रोकने और कारण बताओ नोटिस जारी करने के निर्देश दिए।

निरीक्षण के दौरान आरती, विभा निगम और अनिता कटियार विद्यालय में अनुपस्थित पाई गईं। शिक्षकों ने बीएलओ ड्यूटी का कारण बताया। इस पर जिलाधिकारी ने मौके से ही मोबाइल फोन के माध्यम से तीनों शिक्षकों से बात कर विद्यालय न आने की वजह पूछी। बातचीत में सामने आया कि दो शिक्षिका अपने घर पर थीं, जबकि एक ने रास्ते में होने की बात कह रही थी।

विद्यालय में सविता, अर्चना राठौर, शशि गौतम और अस्मिता तिवारी उपस्थित मिलीं, जबकि दो शिक्षा मित्र भी अपने दायित्वों का निर्वहन करते हुए पाए गए। मौके पर मौजूद दो शिक्षक बीएलओ कार्य देखने के साथ-साथ अध्यापन कार्य भी करते मिले। जिलाधिकारी ने ऐसे शिक्षकों की सराहना की, जो बीएलओ ड्यूटी निभाने के साथ विद्यालय में भी नियमित रूप से उपस्थित रहकर पठन-पाठन का कार्य कर रहे हैं।

जिलाधिकारी ने कहा कि शिक्षकों का मुख्य कार्य अध्यापन है और किसी भी स्थिति में पठन-पाठन प्रभावित नहीं होना चाहिए। उन्होंने स्पष्ट किया कि बीएलओ की ड्यूटी विद्यालय प्रारंभ होने से पहले या विद्यालय की छुट्टी के बाद करने का निर्देश है।

इसके लिए भारत निर्वाचन आयोग की ओर से अलग से एक हजार रुपये प्रतिमाह मानदेय भी दिया जाता है। उन्होंने कहा कि शिक्षकों को उनका वेतन शिक्षण कार्य के लिए मिलता है,

इसलिए बीएलओ ड्यूटी के नाम पर अपने मूल कार्य से विरत होना उचित नहीं है।

निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी ने विद्यालय में संचालित मिड-डे मील योजना का भी जायजा लिया। उस दिन भोजन में चावल, दाल और आलू-सोयाबीन की सब्जी बनाई गई थी। जिलाधिकारी ने भोजन चखकर उसकी गुणवत्ता की जांच की

।इस दौरान जिलाधिकारी ने आईसीडीएस विभाग द्वारा संचालित फेस रिकग्निशन प्रणाली का भी अवलोकन किया। उन्होंने लाभार्थी आरती देवी का फेस डिटेक्शन कर गर्भवती महिलाओं को दिए जाने वाले ड्राई राशन किट वितरण की प्रक्रिया देखी।

जिलाधिकारी ने कहा कि इस व्यवस्था से लाभार्थियों की सही पहचान सुनिश्चित होगी और वितरण प्रणाली में पारदर्शिता बढ़ेगी।निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी ने कक्षाओं में स्मार्ट क्लास के माध्यम से हो रही पढ़ाई भी देखी। उन्होंने कक्षा सात के छात्रों से पर्यावरण प्रभाव और टेंस से जुड़े प्रश्न पूछे, जिनका बच्चों ने संतोषजनक उत्तर दिया। जिलाधिकारी ने छात्रों की सराहना करते हुए उन्हें मन लगाकर पढ़ाई करने और आगे बढ़ने की प्रेरणा दी।

नियम ताक पर रख बिल्डर को बेच दी 24 करोड़ की नजूल जमीन, डीएम ने ली वापस

» बीपीएस न्यूज

कानपुर। सिविल लाइंस स्थित बेशकीमती नजूल संपत्ति को नियमों को ताक पर रखकर निजी बिल्डर को बेचने के मामले में डीएम ने सख्त कार्रवाई की है। डीएम जितेंद्र प्रताप सिंह ने भूखंड संख्या 14/59ए सिविल लाइंस पर सरकारी पुनर्प्रवेश का आदेश जारी करते हुए इसे फिर से अनावंटित सरकारी भूमि के रूप में दर्ज करने के निर्देश दिए हैं। वर्तमान सर्किल रेट के अनुसार इस जमीन की कीमत लगभग 24 करोड़ 77 लाख रुपये आंकी गई है।मामले का खुलासा उपजिलाधिकारी सदर, सहायक प्रभारी अधिकारी नजूल और तहसीलदार सदर की संयुक्त जांच में हुआ। जांच में सामने आया कि संबंधित नजूल आवंटियों ने वर्षों से न तो लीज रेंट जमा किया और न ही पट्टे का नवीनीकरण कराया। इसके बावजूद कलेक्टर की अनुमति लिए बिना भूमि को तीसरे पक्ष को बेच दिया गया।

अभिलेखों के अनुसार नजूल ब्लॉक 14 के प्लॉट संख्या 3 में स्थित इस भूखंड का आवंटन वर्ष 1982 में के.सी. बेरी, तरंग बेरी, नीरज बेरी और विकास बेरी के नाम दर्ज है। नजूल मैनुअल के प्रावधानों के अनुसार भवन प्रयोजन के पट्टे सीमित अवधि के लिए दिए जाते हैं और उनका नवीनीकरण आवश्यक होता है, लेकिन संबंधित पट्टाधारकों ने इस दिशा में कोई कार्रवाई नहीं की।

जांच के दौरान यह भी सामने आया कि सीता बेरी के उत्तराधिकारियों ने नजूल पट्टे से जुड़े महत्वपूर्ण तथ्यों को छिपाते हुए वर्ष 2012 में एसए बिल्डर्स प्राइवेट लिमिटेड के पक्ष में विक्रय पत्र निष्पादित कर दिया। विक्रय पत्र में भूमि को फ्रीहोल्ड दर्शाया गया, जबकि सरकारी अभिलेखों में इसका कोई प्रमाण नहीं मिला।

जिलाधिकारी ने अपने आदेश में स्पष्ट किया है कि बिना लीज रेंट जमा किए, बिना पट्टा नवीनीकरण कराए और बिना कलेक्टर की अनुमति लिए नजूल भूमि का विक्रय करना नियमों का स्पष्ट उल्लंघन है। इस प्रकार शहर के बीचोंबीच स्थित बेशकीमती सरकारी संपत्ति का अवैध अंतरण कर उसे खुर्द-बुर्द किया गया।

नजूल मैनुअल के प्रावधानों तथा शासन से प्राप्त अनुमति के आधार पर जिलाधिकारी ने सार्वजनिक हित में भूखंड पर सरकारी पुनर्प्रवेश का आदेश दिया है। आदेश के अनुसार अब यह भूमि फिर से सरकारी खाते में दर्ज की जाएगी और उसके रखरखाव व नियंत्रण की जिम्मेदारी सहायक प्रभारी अधिकारी नजूल तथा तहसीलदार सदर को संयुक्त रूप से सौंपी गई है।

कैसे हुआ खुलासा

वर्ष 1982 में नजूल पट्टे पर आवंटित हुई थी भूमि, वर्षों से लीज रेंट जमा नहीं किया गया, पट्टे का नवीनीकरण भी नहीं कराया गया, भूमि को फ्रीहोल्ड नहीं कराया गया, वर्ष 2012 में निजी बिल्डर को विक्रय, सरकारी अभिलेखों में भूमि फ्रीहोल्ड नहीं पाई गई, वर्तमान सर्किल रेट के अनुसार कीमत लगभग 24.77 करोड़ रुपये।

जिलाधिकारी आवास पर खिलीं मुस्कानें,कोविड काल में माता-पिता खो चुके बच्चों संग सजी होली

» बीपीएस न्यूज

कानपुर। होली की पूर्व संध्या पर जिलाधिकारी आवास में रंगों का दृश्य कुछ अलग था। अबीर-गुलाल से रंगे चेहरे, बच्चों की सहज हंसी और आत्मीय संवाद आयोजन उन बच्चों के नाम रहा, जिन्होंने कोविड-19 महामारी में अपने माता-पिता को खो दिया था। पीएम केयर्स फॉर चिल्ड्रेन योजना से जुड़े बच्चों को विशेष रूप से आमंत्रित कर उनके साथ होली की खुशियां साझा की गईं।

जनपद में योजना से 22 बच्चे लाभान्वित हैं। इनमें से 10 बच्चे अपने परिजनों के साथ कार्यक्रम में पहुंचे, जबकि शेष 12 बच्चों के घरों पर पिचकारी, रंग, नए कपड़े और मिठाई सहित उपहार भिजवाए गए।

जिलाधिकारी जितेन्द्र प्रताप सिंह एवं उनकी धर्मपत्नी रश्मि सिंह ने बच्चों को अबीर-गुलाल लगाकर होली की बधाई दी। इसके बाद वे बच्चों के बीच बैठ गए। किसी से पढ़ाई के विषय पूछे, किसी से भविष्य का सपना। एक बच्चे ने डॉक्टर बनने की इच्छा जताई तो दूसरे ने इंजीनियर बनने का लक्ष्य बताया। जिलाधिकारी ने उनकी प्रगति की जानकारी ली और आवश्यक सहयोग का भरोसा दिया। उन्होंने स्पष्ट किया कि शिक्षा, मार्गदर्शन या किसी भी जरूरत में प्रशासन पूरी जिम्मेदारी के साथ साथ रहेगा और इन बच्चों को आगे बढ़ने के हर अवसर उपलब्ध कराए जाएंगे।

कार्यक्रम में औपचारिकता से अधिक आत्मीयता दिखी। बातचीत सीधे बच्चों से हुई। रंगों के बीच उनके चेहरों पर आत्मविश्वास और प्रसन्नता की झलक दिखाई दी। जिन बच्चों ने असमय अभिभावकीय साया खोया, उनके लिए यह आयोजन केवल त्योहार नहीं, बल्कि भरोसे का एक मजबूत आधार बनकर उभरा।

उल्लेखनीय है कि दीपावली पर भी जिला प्रशासन ने इन्हीं बच्चों के साथ त्योहार मनाया था। त्योहारों के माध्यम से यह निरंतर संपर्क प्रशासन की प्रतिबद्धता को दर्शाता है कि संरक्षण केवल योजना तक सीमित नहीं, बल्कि व्यवहार में भी दिखे।

जिलाधिकारी ने जनपदवासियों को होली की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि कानपुर की होली अपनी सांस्कृतिक परंपरा और आपसी सद्भाव के लिए जानी जाती है।

उन्होंने अपील की कि पर्व को शांति, संयम और जिम्मेदारी के साथ मनाएं। रंगों का यह त्योहार तभी सार्थक है जब उसकी खुशियां समाज के हर उस बच्चे तक पहुंचें, जिसे सहारे की जरूरत है।

केमिकल के रंगों से दूर फूलों से होली खेलकर एक दूसरे को दी शुभकामनाएं

» बीपीएस न्यूज

कानपुर। रंगों के पर्व होली की आप सभी को बहुत-बहुत शुभकामनाएं, होली के पावन पर्व को लेकर कानपुर के लोगों में उत्सुकता रहती है होली ऐसा त्यौहार है जिसे पूरा प्रदेश ही नहीं बल्कि पूरा देश मनाता है। दुश्मन भी होली के त्योहारों में गले लग जाते हैं। असत्य पर सत्य की जीत यह दर्शाता है कि झूठ की जिंदगी ज्यादा दिन नहीं चलती सच साथ ही एक दूसरे को होली की बधाई दी। इस मौके पर जमकर फूलों की होली खेली गई।विजय कपूर चेयरमैन एवं पूर्व विधायक अजय कपूर कार्यक्रम में उपस्थित हुए। साइकिल उद्योग व्यापार मंडल के मुख्य संरक्षक और चेयरमैन विजय कपूर ने कहा कि होली की गुझिया सभी के दिलों में मिठास भर दे। सभी के जीवन में होली के रंग सदैव महकते रहे। उन्होंने कहा कि होली का त्यौहार रंगों और मिठास का त्यौहार है। हम प्रभु से ऐसी की हमेशा जीत होती है।

होलिका का दहन करने के बाद साइकिल उद्योग व्यापार मंडल की ओर से गैंज़स क्लब में आयोजित होली मिलन समारोह में सभी ने गुलाल लगाकर फूलों से होली खेली। कामना करते हैं कि सभी का व्यापार बढ़े और कानपुर का औद्योगिक विकास लगातार प्रगति के पथ पर होता रहे।इस मौके पर साइकिल व्यापार से जुड़े हुए उद्यमी मौजूद रहे। इस अवसर पर चेयरमैन शरद घणावत, अध्यक्ष केके अरोड़ा, प्रतीक राजीव उपाध्यक्ष मंत्री शमी भाटिया, महामंत्री अनूप अग्रवाल, कोषाध्यक्ष अमित जैन, अंचल अग्रवाल, शुभकित सिंह उपाध्याय, सतनाम सिंह आदि प्रमुख रूप से मौजूद रहे।

वेतन रोकने तथा उनकी सेवाओं को बाधित करने के घृणित कार्य के विरोध में गांधी प्रतिमा में किया गया उपवास

वेतन रोके जाने पर जिला विद्यालय निरीक्षक कानपुर नगर के विरुद्ध कठोर कार्रवाई की मांग

» बीपीएस न्यूज

कानपुर। शिक्षकों एवं शिक्षणेत्तर कर्मचारियों ने ज्ञान भारतीय एम0एस0 इंटर कॉलेज बिरहाना रोड कानपुर नगर के वरिष्ठ कर्मचारी शिव बहादुर यादव के संबंध में जिला विद्यालय निरीक्षक द्वारा उच्च न्यायालय की यथा स्थिति आदेश के बावजूद वेतन अवरुद्ध करने तथा उनकी सेवाओं को बाधित करने के घृणित कार्य के विरोध में गांधी प्रतिमा फूल बाग कानपुर नगर में हरिश्चंद्र दीक्षित एवं शिव बहादुर यादव की अगुवाई में उपवास किया गया तथा जिला विद्यालय निरीक्षक कानपुर नगर के विरुद्ध कठोर कार्रवाई की मांग की गई।

उत्तर प्रदेश माध्यमिक शिक्षक संघ एवं शिक्षणेत्तर संघ के संयोजक हरिश्चंद्र दीक्षित ने विज्ञप्ति में बताया गया कि शिव बहादुर यादव द्वारा अपने रक्षार्थ माननीय उच्च न्यायालय में द्वितीय अपील संख्या 203/2014 नियोजित कर 2जुलाई 2014 को यथा स्थिति का आदेश प्राप्त कर लिया था। जिससे उनकी सेवाएं किसी के द्वारा प्रभावित नहीं की जा सकती हैं। किंतु वर्तमान जिला विद्यालय निरीक्षक ने कानपुर आते किसी व्यक्ति विशेष से प्रेरित होकर तथा इच्छित वस्तु प्रकार शिव बहादुर यादव के यथास्थिति आदेश की अवमानना करते हुए अमानत में कयामत कर उत्पीड़न करना प्रारंभ कर दिया।

संगठन ने जिला विद्यालय निरीक्षक की निंदा करते हुए प्रश्नगत प्रकरण पर उच्च अधिकारियों से हस्तक्षेप करने की मांग की तथा शिव बहादुर को अनुतोष प्रदान करने की मांग की। फलस्वरूप वर्तमान समय में उच्च अधिकारियों के आदेश पर वर्तमान जिला विद्यालय निरीक्षक डॉक्टर संतोष कुमार राय के अनियमित कार्यों की संयुक्त शिक्षा निदेशक (माध्यमिक) कानपुर मंडल कानपुर तथा विशेष सचिव, उत्तर प्रदेश शासन द्वारा जांच प्रारंभ है। जिला विद्यालय निरीक्षक ने अपने अधिनियम विरुद्ध कार्यों के कारण अमानत में कयामत करने का इरादा बना रखा है।

जिसका संगठन पुरजोर विरोध करेगा और तब तक संघर्ष करेगा जब तक जिला विधायक निरीक्षक को उनके किए गए अनियमित कार्यों की सजा नहीं मिल जाती विज्ञप्ति में यह भी बताया गया की मुख्य सचिव उत्तर प्रदेश शासन की राजाज्ञा के अनुसार माननीय उच्च न्यायालय से अच्छादित आई जी आर एस प्रकरण ना होने पर भी मुख्य सचिव उत्तर प्रदेश शासन के आदेश की

धज्जियां उड़ाकर आई जी आर एस को हथियार बनाकर शिव बहादुर यादव का उत्पीड़न किया जा रहा है।

जिसकी शिकायत मुख्य सचिव उत्तर प्रदेश शासन से मिलकर की जाएगी। शिक्षक एव शिक्षणेत्तर संघ ने संकल्प किया है कि हम संघर्ष के बल पर शिव बहादुर यादव को न्याय दिलाकर रहेंगे। सामूहिक उपवास पर श्री दीक्षित एवं शिव बहादुर यादव के अलावा, पंकज कुमार, प्रभाकर श्रीवास्तव, इंद्रपाल, अखिलेश अग्निहोत्री, आशीष यादव, शरीफ खान, विशाल श्रीवास्तव, सुबोध कटियार, अफजाल अहमद, इकद्दीदार अहमद, उमेश चंद, सुरेश कुमार, राहुल कश्यप, सुबोध शर्मा मनोज कुमार पंडित, जितेन्द्र वाल्मीकि, श्रीपत बसोर इत्यादि लोग मौजूद रहे।

इस्कॉन मंदिर में पुष्पवर्षा के बीच दिखा वृंदावन की होली का नजारा, मंगवाए गए 10 हजार किलो फूल

कानपुर। मैनावती मार्ग स्थित इस्कॉन मंदिर में शनिवार को भक्ति और उल्लास के साथ पुष्प होली महोत्सव मनाया गया। इस दौरान काफी संख्या में भक्तों ने फूलों की होली खेली। पूरे मंदिर परिसर में दिनभर भक्ति, संगीत और उत्सव का माहौल रहा। महोत्सव के दौरान मंदिर के विग्रह राधा-माधव, गौर निताई और जानकी-वल्लभ, लक्ष्मण, हनुमान का फूलों से श्रृंगार किया गया।करीब 10 हजार किलो से अधिक फूल सिंगापुर, मलयेशिया, पुणे और बंगलुरु से मंगवाए गए थे। फूलों से मंदिर के प्रांगण और मंच की सजावट की गई। सुबह के सत्र में इस्कॉन के जोनल सेक्रेटरी देवकीनंदन प्रभु ने श्रीमद्भागवत पर प्रवचन देते हुए भक्तों को भक्ति मार्ग, साधना और श्रीकृष्ण नाम-स्मरण की महिमा से अवगत कराया।फूलों की खुशबू और कीर्तन की धुनों के बीच माहौल वृंदावन की होली की तरह दिखाई दिया।

जेल में बंद अधिवक्ता दीनू उपाध्याय का साथी अतुल गिरफ्तार

कानपुर । कमीशन के नाम पर 10 लाख रुपये की रंगदारी मांगने के मामले में जेल में बंद अधिवक्ता दीनू उपाध्याय के साथी जवाहरनगर निवासी अतुल अग्निहोत्री को सीसामऊ पुलिस ने शनिवार को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया। इस पर 25 हजार का इनाम था। पुलिस के अनुसार, इस मामले में छह नामजद और छह अज्ञात पर रिपोर्ट दर्ज की गई थी।

गांधीनगर पीरोड निवासी अभिषेक मिश्रा ने एक जून 2025 को दर्ज रिपोर्ट में बताया था कि उन्होंने पुश्तैनी मकान का सौदा हरबंशमोहाल के अजय गुप्ता और पंकज गुप्ता से किया था। इसका रजिस्टर्ड एग्रीमेंट कर 15 अक्तूबर को किया था। यह जानकारी होने पर रवि पांडेय, अतुल अग्निहोत्री, जनार्दन पांडेय और रामचंदर घर आए। मकान बिकवाने की बात कहते हुए 10 लाख रुपये कमीशन मांगा। विवाद बढ़ने पर छह लाख रुपये दे दिए।

आरोप था कि इसके बावजूद जबरन कचहरी ले गए और नीरज दुबे के चैंबर में लिखापढ़ी करने लगे। रवि पांडेय ने दबाव डालने के लिए अधिवक्ता दीनू उपाध्याय को बुला लिया। दीनू के धमकाने पर अजय गुप्ता से 10 रुपये के स्टांप पर रवि के साथ छह लाख का कमीशन देने की लिखापढ़ी कराई। इस इकरारनामे में नीरज दुबे गवाह के तौर पर शामिल हुआ। आरोपियों ने दबाव डालने के लिए रामचंदर नाम के व्यक्ति को आगे कर एससीएसटी एक्ट के झूठे मुकदमे में फंसाने की धमकी दी। उन्होंने दीनू उपाध्याय, नीरज दुबे, रवि पांडेय, अतुल अग्निहोत्री, जनार्दन, रामचंदर व छह अज्ञात पर जबरन वसूली, धमकाने समेत अन्य धारा में रिपोर्ट दर्ज कराई थी।

चमनगंज पुलिस की सक्रियता से दबोचा गया जिला बदर शातिर अपराधी

» कई मामलों में दर्ज हैं संगीन धाराएं

» बीपीएस न्यूज

कानपुर। पुलिस आयुक्त कानपुर नगर के निर्देशन में टाप-10सक्रिय अपराधी, हिस्ट्रीशीटर, वांछित व पुरस्कार घोषित जिला बदर एवं संगठित अपराधियों की धरपकड़ हेतु चलाए जा रहे अनवरत अभियान के क्रम में पुलिस उपायुक्त सेन्ट्रल, अपर पुलिस उपायुक्त सेन्ट्रल व सहायक पुलिस आयुक्त सीसामऊ के निदेशन में थाना चमनगंज के कुख्यात हिस्ट्रीशीटर, गुंडा व संयुक्त पुलिस आयुक्त अपराध एवं मुख्यालक के आदेश पर विगत दिनों घोषित जिला बदर अपराधी सूफियान उर्फ कनखड़ा पुत्र मो0 अनीस

निवासी सफियाबाद चमनगंज कानपुर नगर उम्र करीब 28 वर्ष जिसे छह माह के लिए जिला बदल घोषित किया गया था तथा यह आदेश दिया गया था

तथा यह आदेश दिया गया था कि वो छह माह तक कानपुर नगर की सीमा में

प्रवेश नहीं करेगा जिसके संबंध में थाना चमनगंज की पुलिस द्वारा आदेश का तामिला कराते हुए

मुनादी कराई गयी थी लेकिन मुखिबर की खास सूचना पर चमनगंज पुलिस द्वारा उपरोक्त जिला बदर अपराधी को कानपुर की सीमा के अंदर से मो0 अली पार्क के पास से

बीती 4 मार्च को प्रातः 8.10 बजे गिरफ्तार किया गया। उक्त यह कृत्य

धारा 10 उप्र गुंडागर्दी नियंत्रण अधि0 1970 के अपराध की श्रेणी में पाए जाने पर इसके संबंध में थाना हाजा पर मु0अ0सं-23/2026 धारा 10 उप्र. गुंडागर्दी नियंत्रण अधि0 1970 पंजीकृत कर अग्रिम विधिक कार्रवाई की जा रही है।

गिरफ्तार करने वाली टीम

1-उपनि0 विपिन कुमार चौकी प्रभारी तकिया पार्क थाना चमगनगंज कमिश्नरेट कानपुर नगर

2-हे0कां0 1252 कायम रजा थाना चमनगंज कमिश्नरेट कानपुर नगर

3-कां0 5125 अमित कुमार थाना चमनगंज कमिश्नरेट कानपुर नगर

पंडित दीनदयाल उपाध्याय सनातन धर्म विद्यालय में

सीएम के प्रस्तावित कार्यक्रम पुलिस आयुक्त द्वारा किया गया निरीक्षण

» बीपीएस न्यूज

कानपुर। पंडित दीनदयाल उपाध्याय सनातन धर्म विद्यालय (नवाबगंज) में माननीय मुख्यमंत्री उ0प्र0 योगी आदित्यनाथ के प्रस्तावित कार्यक्रम के दृष्टिगत सीएसए स्थित हेलीपैड का पुलिस आयुक्त द्वारा स्थलीय निरीक्षण। दिनांक 05.03.2026 को पुलिस आयुक्त कानपुर नगर श्री रघुबीर लाल द्वारा चंद्र शेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय परिसर स्थित हेलीपैड का स्थलीय निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान पुलिस आयुक्त महोदय द्वारा हेलीपैड परिसर, आगमन एवं प्रस्थान मार्ग, पार्किंग व्यवस्था, बैरिकेडिंग, ड्यूटी पॉइंट, सुरक्षा घेरा तथा भीड़ नियंत्रण की व्यवस्थाओं का बारीकी से अवलोकन किया गया।

पुलिस आयुक्त महोदय ने संबंधित अधिकारियों को सुरक्षा प्रोटोकॉल का पूर्ण अनुपालन सुनिश्चित करने, यातायात प्रबंधन को सुचारु बनाए रखने तथा संवेदनशील बिंदुओं पर विशेष सतर्कता बरतने के निर्देश दिए। साथ ही कार्यक्रम स्थल पर त्रिस्तरीय सुरक्षा व्यवस्था, एंटी-सैबोटाज चेकिंग, डॉग स्क्वॉड एवं बम निरोधक दस्ते की तैनाती सुनिश्चित करने के भी निर्देश दिए गए।

इस अवसर पर अपर पुलिस आयुक्त कानून एवं व्यवस्था डॉ. विपिन ताडा, अपर पुलिस उपायुक्त अभिसूचना, स्टॉफ ऑफिसर, सहायक पुलिस आयुक्त कर्नलगंज सहित अन्य अधिकारीगण उपस्थित रहे।

बाजार में गाली देने से मना करने पर दबंगों ने बुजुर्ग चंद्रपाल की बेरहमी से पिटाई कर दी

बाजार में बुजुर्ग की पीट-पीटकर हत्या, गाली-गलौज का विरोध करने पर बरसाई लाठियां, पांच पर FIR

» बीपीएस न्यूज

कानपुर । गजनेर के निनाया बाजार में गाली देने से मना करने पर दबंगों ने बुजुर्ग चंद्रपाल की बेरहमी से पिटाई कर दी, जिससे उनकी मौत हो गई। पुलिस ने तीन नामजद और दो अज्ञात के खिलाफ केस दर्ज कर तलाश शुरू कर दी है।कानपुर देहात में गजनेर थाना क्षेत्र के निनाया गांव की बाजार में गाली देने से मना करने पर कुछ लोगों ने वृद्ध की लाठी डंडों से पिटाई कर दी। मारपीट में घायल बुधवार को मौत हो गई। सूचना पर क्षेत्राधिकारी अकबरपुर ने मौके पर पहुंचकर जांच पड़ताल की। मृतक के पुत्र की तहरीर पर पुलिस ने तीन नामजद और दो अज्ञात के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर आरोपियों की तलाश शुरू कर दी है।शाहजहांपुर निनाया निवासी चंद्रपाल (75) मंगलपुर को शाम छह बजे गांव के बाजार गए थे। यहां एक पक्ष के कुछ लोगों से उनका गाली देने को लेकर विवाद हो गया। पत्नी रामजानकी ने बताया कि गांव के लोगों ने मारपीट कर घायल कर दिया। गंभीर हालात में सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र गजनेर ले गए। सीएचसी में ड्यूटी पर तैनात डॉ. सिद्ध गोपाल शर्मा ने उनका उपचार किया। रात को बिगड़ी हालत, हो गई मौतचोटें सामान्य बता घर भेज दिया। इधर, बुधवार दोपहर करीब करीब ढाई बजे उनकी हालत बिगड़ गई और मौत हो गई। मृतक के पुत्र ने पुलिस को दी गई तहरीर में आरोप लगाया है कि गांव के ही संतोष, कल्लू, विजय और दो अन्य लोगों ने बाजार में उनके पिता चंद्रपाल को लाठी, डंडों, सरिया व लात-घूंसों से जमकर पीटा, जिससे उनकी मौत हो गई। होली त्योहार पर मारपीट कर हत्या करने से हड़कंप मच गया।शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजासूचना पर क्षेत्राधिकारी अकबरपुर संजय सिंह मौके पर पहुंचे और घटनास्थल का निरीक्षण कर ग्रामीणों से जानकारी ली। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। थानाध्यक्ष सूर्य प्रताप सिंह ने बताया कि तहरीर के गैर इरादतन हत्या, मारपीट की धाराओं में मुकदमा दर्ज कर आरोपियों की तलाश की जा रही है।

एक दिन का सन्नाटा, ट्रेनों में फिर जुटी लौटने वालों की भीड़

» बीपीएस न्यूज

, कानपुर । होली के दिन बुधवार को अधिकतर ट्रेनों में सन्नाटा रहा। त्योहार बाद गुरुवार से वापसी करने वालों का लोड शुरू हो गया। शाम चार बजे से ट्रेनों में ठीकठाक भीड़ रही। जोधपुर-हावड़ा के कोच में चढ़ने के लिए धक्का-मुक्की होती रही। हालांकि, भीड़ इतनी नहीं थी कि सुरक्षा बल को मशक्कत करनी पड़े। फिर भी क्यूआरटी पेट्रोलिंग में सक्रिय रही। होरियारों पर विशेष नजर रखने को चौबीसों घंटे पेट्रोलिंग कराई गई।होली के अगले दिन गुरुवार से कानपुर से अलग-अलग दिशाओं में जाने वाले हर ट्रेन में वापसी का लोड शुरू हो गया है। दिल्ली, मुंबई रूट पर जाने और बिहार, पूर्वांचल की तरफ से आने वाली ट्रेनों में भीड़ रही। दिनभर आरपीएफ और जीआरपी के जवान विभिन्न प्लेटफॉर्म पर गश्त करते रहे। हालांकि, भीड़ इतनी नहीं थी कि सुरक्षा जनानों को मशक्कत करनी पड़े। वापसी करने वालों का सिलसिला रात तक चलता रहा।होली के दिन खाली गई गई ट्रेनेंबुधवार को चौरीचौरा, लखनऊ मेमू, उत्सर्ग, पवन एक्सप्रेस सहित कई ट्रेनों के कोच खाली गए। स्थिति यह थी कि 12034 कानपुर शताब्दी एक्सप्रेस के फर्स्ट एसी में 56 में से 16 यात्री तो एसी चेयरकार से 1092 की जगह सिर्फ 212 यात्री दिल्ली से कानपुर आए। स्वर्ण शताब्दी एक्सप्रेस से 1248 की जगह 398 ने ही सेंट्रल स्टेशन से दिल्ली का सफर किया। जम्मू तवी, कालका मेल, मुरी, चौरीचौरा, उत्सर्ग एक्सप्रेस, कासगंज पैसेंजर, बांदा पैसेंजर, खजुराहो पैसेंजर सहित करीब 62 ट्रेनों में 50 फीसदी से कम यात्री लोड रहा। अब लंबी वेटिंग, स्पपेशल ही सहारारेलवे आरक्षण रिकॉर्ड के अनुसार, छह से 11 मार्च तक हर रूट की ट्रेनों में लंबी वेटिंग है। दस मार्च को श्रमशक्ति एक्सप्रेस के हर क्लास में वेटिंग 50 पार है। अभी से इमरजेंसी कोटा के तहत सीट लेने के लिए एक सीट पर 13 से 18 सिफारिशी पत्र लग चुके हैं। इमरजेंसी कोटा तो उसी दिन होता है, तब तक इसमें और इजाफा होगा। सेंट्रल स्टेशन हो या गोविंदपुरी, इन स्टेशनों से बेंगलुरू, हैदराबाद, कोच्चि, चेन्नई की ओर जाने वाली किसी भी ट्रेन में 18 मार्च तक किसी भी क्लास में कंफर्म सीटें नहीं है। यात्री तत्काल कोटे में सीटें करवाने में जुटे हैं।

पारिवारिक कलह में महिला ने फंदा लगाकर दी जान, पंखे से लटका मिला शव, जांच में जुटी पुलिस

होली की खुशियां मातम में बदली, ई-रिक्शा चालक की पत्नी ने फंदा लगाकर दी जान

» बीपीएस न्यूज

कानपुर । महाराजपुर के नगरा गांव में एक महिला ने पारिवारिक कलह के चलते फंदा लगाकर जान दे दी। पुलिस मायके पक्ष की तहरीर का इंतजार कर रही है।कानपुर में महाराजपुर थाना क्षेत्र के नगरा गांव में पारिवारिक कलह के चलते एक महिला ने घर पर पंखे के सहारे लटक कर अपनी जीवन लीला समाप्त कर ली। जानकारी के मुताबिक, नगरा गांव के निवासी भानुप्रताप का विवाह आठ वर्ष पहले शिवली कानपुर देहात के देवीपुरवा के रहने वाले अजय पाल की पुत्री सोनी से हुआ था।भानुप्रताप के पिता देशराज ने बताया कि बेटा ई-रिक्शा चलाता है। होली के दिन घर के अन्य सदस्य खेतों में काम कर रहे थे। इस दौरान बहू अकेले घर में थी। उसने बाहर आंगन के पास बने कमरे में लगे पंखे से दुपट्टे के सहारे फंदा लगाकर आत्महत्या कर ली।तहरीर और जांच के आधार पर होगी कार्रवाईमृतका के एक बेटी अनुप्रिया (4) और एक बेटा अभिषेक (6) है। महाराजपुर थाना प्रभारी राजेश कुमार ने बताया कि पारिवारिक कलह की बात सामने आई है। मायके पक्ष को सूचना दी गई है। तहरीर और जांच के आधार पर अन्य कार्रवाई की जाएगी।

बाइक सवार चचेरे भाइयों को वाहन ने मारी टक्कर, एक की मौत

» बीपीएस न्यूज

हरदोई। कोतवाली क्षेत्र के जाजमऊ गांव में ससुराल से होली खेलकर वापस आ रहे साढू भाइयों को किसी वाहन ने टक्कर मार दी। घटना में एक की मौत हो गई, जबकि दूसरे को गंभीर हालत में लखनऊ ट्रामा सेंटर में भर्ती कराया गया है। हादसा बुधवार शाम लगभग चार बजे हुआ। साबलखेड़ा निवासी सर्वेश (30) लखनऊ में एक प्राइवेट कंपनी में नौकरी करते थे।उनकी ससुराल कोतवाली क्षेत्र के जाजमऊ में है। गांव निवासी साढू रामचंद्र के साथ बुधवार को सर्वेश होली खेलने ससुराल गए थे। शाम लगभग चार बजे बाइक से वापस घर आ रहे थे।

संडीला-गदौरा मार्ग पर पंजाबीखेड़ा के पास किसी वाहन ने बाइक में टक्कर मार दी। घअना में सर्वेश औरर रामचंद्र घायल हो गए। परिजनों ने सर्वेश को संडीला के प्राइवेट अस्पताल में भर्ती कराया,

जबकि रामचंद्र को उनके परिजन लखनऊ ट्रामा सेंटर ले गए। प्राइवेट अस्पताल में उपचार के दौरान बृहस्पतिवार को सर्वेश की मौत हो गई। शव लेकर परिजन सीएचसी पहुंचे और पुलिस को भी घटना की जानकारी दी।

मुस्तैदी के बाद मस्ती का रंग, थाने में पुलिसकर्मियों ने खेली होली

कानपुर। महाराजपुर थाने में पुलिसकर्मियों ने एक-दूसरे को गुलाल लगाकर और डीजे पर थिरक कर होली का जश्न मनाया। इंस्पेक्टर ने इसे प्रेम और एकता का संदेश बताते हुए शांतिपूर्ण ढंग से ड्यूटी पूरी होने पर खुशी जताई।कानपुर के नरवल तहसील क्षेत्र में बुधवार को रंगों का पर्व होली पूरे उत्साह और उल्लास के साथ मनाया गया।

गुरुवार को महाराजपुर थाना परिसर में पुलिसकर्मियों ने भाईचारे और सौहार्द के साथ होली खेली। सुबह से ही थाने में उत्सव जैसा माहौल रहा।पुलिसकर्मियों ने एक-दूसरे को अबीर-गुलाल लगाकर शुभकामनाएं दीं और डीजे की धुन पर जमकर थिरके।रंगों से सराबोर पुलिसकर्मी देर तक हंसी-खुशी में डूबे रहे। इंस्पेक्टर राजेश कुमार ने बताया कि बुधवार को पूरे क्षेत्र में पुलिस बल की मुस्तैदी से त्योहार शांतिपूर्ण और सकुशल संपन्न हुआ।समाज में सौहार्द का संदेश देने की अपीलउन्होंने कहा कि पुलिसकर्मी अक्सर त्योहारों पर अपने परिवार से दूर रहकर जनता की सुरक्षा में लगे रहते हैं, इसलिए वे अपने साथियों के साथ ही थाने में त्योहार मनाते हैं।

गंगा बैराज लूटकांड के तीन आरोपी गिरफ्तार; पुलिस मुठभेड़ में दो के पैर में लगी गोली, अन्य की तलाश जारी

» बीपीएस न्यूज

कानपुर। गंगा बैराज के पास फतेहपुर के युवक से 2.70 लाख लूटने वाले तीन बदमाशों को पुलिस ने मुठभेड़ के बाद गिरफ्तार किया है। दो आरोपी गोली लगने से घायल हुए हैं।कानपुर गंगा बैराज के पास हुई 2.70 लाख की लूट में पुलिस ने शनिवार देर रात तीन आरोपियों को मुठभेड़ में गिरफ्तार किया है। गोली लगने से दो आरोपी घायल हुए हैं। उन्हें हैलट अस्पताल में भर्ती कराया गया है। पुलिस ने गिरोह में शामिल अन्य सदस्यों की तलाश शुरू कर दी है।फतेहपुर के जहानाबाद खजुरिया निवासी से दो मार्च की शाम को ऑटो सवार बदमाशों ने मारपीट कर 2.70 लाख रुपये

की लूट की थी। वह बुलेट लेने शहर आए थे। घटना के बाद आरोपी फरार हो गए थे। पुलिस ने आरोपियों की तलाश की।

सीसीटीवी कैमरों की जांच में ऑटो का नंबर मिला। उससे आरोपियों का पता चला। शनिवार रात तीन आरोपियों के ख्योरा कटरी में होने की जानकारी हुई। पुलिस ने घेराबंदी की तो आरोपियों ने फायर कर दिया। पुलिस की जवाबी फायरिंग में दो आरोपियों के पैर में गोली लग गई।

गिरोह में शामिल अन्य सदस्यों की तलाश

डीसीपी सेंट्रल अतुल कुमार श्रीवास्तव ने बताया कि नवाबगंज के जितेंद्र उर्फ छोटू, जितेंद्र उर्फ जीतू और सुमित को गिरफ्तार किया। गोली जितेंद्र और छोटू के पैर में लगी है। पुलिस ने गिरोह में शामिल अन्य सदस्यों की तलाश शुरू कर दी है।

तेज रफ्तार वाहन ने फैक्ट्रीकर्मी को टक्कर मार नाले में गिराया, मौके पर मौत

» रावतपुर क्षेत्र में आधी रात हादसा, बाइक समेत उछलकर नाले में जा गिरा युवक

» बीपीएस न्यूज

कानपुर। रावतपुर थाना क्षेत्र में तेज रफ्तार वाहन की टक्कर से एक फैक्ट्री कर्मी की दर्दनाक मौत हो गई। हादसा उस समय हुआ जब युवक ड्यूटी खत्म कर देर रात बाइक से घर लौट रहा था। टक्कर इतनी जोरदार थी कि वह बाइक समेत उछलकर सड़क किनारे नाले में जा गिरा और सिर में गंभीर चोट लगने से उसकी मौके पर ही मौत हो गई।पुलिस के अनुसार कल्याणपुर के

मिर्जापुर नई बस्ती निवासी 27 वर्षीय शिवा दादानगर स्थित एक फैक्ट्री में नौकरी करता था। बुधवार रात करीब 12 बजे वह ड्यूटी खत्म कर बाइक से घर लौट रहा था। केशवपुरम सिलिंडर चौराहे के पास पीछे से आए तेज रफ्तार वाहन ने उसकी बाइक में जोरदार टक्कर मार दी, जिससे वह अनियंत्रित होकर नाले में जा गिरा।हादसे की सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और बाइक नंबर के आधार पर युवक की पहचान कर उसके परिजनों को जानकारी दी। शिवा के पिता रामसेवक कमल ने बताया कि उनकी पत्नी यशोदा की कई साल पहले ही मौत हो चुकी है। परिवार में तीन बेटियां हैं और सबसे छोटी बेटी करिश्मा की शादी अभी बाकी है। शिवा ही परिवार का इकलौता कमाने वाला था। परिवार में कोहराम मचा हुआ है। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है और टक्कर मारने वाले वाहन की तलाश शुरू कर दी है।

ट्रंप ने दी ईरान को बमबारी तेज करने की चेतावनी, बोले-

आत्मसमर्पण करो या तबाह हो जाओ!... लगातार दागी जा रही मिसाइलें

» बीपीएस न्यूज

दुबई। ईरान की राजधानी तेहरान में शनिवार तड़के कई विस्फोट हुए, जिनसे आसमान में काले धुएं के गुबार उठते दिखाई दिए। इसके जवाब में ईरान ने इजराइल की ओर मिसाइलें दागीं। इस बीच अमेरिका ने चेतावनी दी कि जल्द ही बड़े पैमाने पर बमबारी अभियान शुरू किया जा सकता है, जिसे अधिकारी सप्ताह भर से जारी संघर्ष का अब तक का सबसे तीव्र हमला बता रहे हैं। क्षेत्र में लड़ाई खत्म होने के कोई संकेत नहीं दिख रहे।

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के प्रशासन ने इज़राइल को 15.1 करोड़ डॉलर के नए हथियारों की बिक्री को मंजूरी दे दी। ट्रंप ने कहा कि ईरान के बिना शर्त

आत्मसमर्पण करने तक उससे कोई बातचीत नहीं होगी।

वहीं, संयुक्त राष्ट्र में ईरान के राजदूत ने कहा कि देश अपनी रक्षा के लिए हर जरूरी कदम उठाएगा। एक वीडियो फुटेज में पश्चिमी तेहरान के ऊपर विस्फोटों से धुएं के गुबार दिखाई दिए, जबकि इजराइल ने कहा कि उसने व्यापक हमलों का नया दौर शुरू किया है। इजराइली सेना ने कहा कि वह ईरान से दागी गई नयी मिसाइलों को रोकने की कोशिश कर रही है। ईरान के हमलों के बाद बहरीन में शनिवार सुबह सायरन बजे।

सऊदी अरब ने कहा कि उसने अपने विशाल शायबह तेल क्षेत्र की ओर बढ़ रहे ड्रोन नष्ट कर दिए और प्रिंस सुल्तान एयर बेस की ओर दागी गई एक बैलिस्टिक मिसाइल को मार गिराया।

इस बीच अमेरिकी खुफिया अधिकारियों के अनुसार, रूस ने ईरान को ऐसी जानकारी दी है जिससे वह क्षेत्र में मौजूद अमेरिकी युद्धपोतों, विमानों और अन्य सैन्य ठिकानों को निशाना बना सकता है।

रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने ईरान के राष्ट्रपति मसूद पेजेश्कियान से फोन पर बात कर ईरान के सर्वोच्च नेता अयातुल्ला अली खामेनेई की मौत पर संवेदना जताई।

कतर के ऊर्जा मंत्री साद अल-काबी ने चेतावनी दी कि यह युद्ध वैश्विक अर्थव्यवस्था को गंभीर नुकसान पहुंचा सकता है और खाड़ी क्षेत्र से ऊर्जा आपूर्ति बाधित होने पर तेल की कीमत 150 डॉलर प्रति बैरल तक पहुंच सकती है। शुक्रवार को अमेरिकी कच्चे तेल की कीमत दो वर्षों में पहली बार 90 डॉलर प्रति बैरल से ऊपर चली गई।

इस संघर्ष में अब तक ईरान में कम से कम 1,230 लोगों की मौत हो चुकी है, जबकि लेबनान में 200 से अधिक और इजराइल में करीब 12 लोग मारे गए हैं। छह अमेरिकी सैनिक भी इस संघर्ष में जान गंवा चुके हैं।

ईरान के राष्ट्रपति ने सोशल मीडिया पर लिखा कि कुछ देशों ने मध्यस्थता के प्रयास शुरू कर दिए हैं, लेकिन उन्होंने इसके बारे में विस्तार से नहीं बताया।

भारत के पास पर्याप्त पेट्रोलियम का भंडार

आम जन को नहीं होगी कोई कमी अफवाहों के बीच केंद्र ने किया साफ

» बीपीएस न्यूज

नई दिल्ली। पश्चिम एशिया में जारी संकट और उससे कच्चे तेल और पेट्रोलियम उत्पादों की आपूर्ति श्रृंखला में आयी बाधा के बीच सरकारी अधिकारियों ने स्पष्ट किया है कि देश के पास पेट्रोलियम का पर्याप्त भंडार है। पेट्रोलियम मंत्रालय के उच्च अधिकारियों ने बताया कि इस समय देश में कच्चे तेल का 25 दिन का अतिरिक्त भंडार है। इसके अलावा शोधित उत्पादों का भी 25 दिन का अतिरिक्त भंडार है। दोनों मिलाकर कुल भंडार सात सप्ताह से अधिक का है।

अधिकारियों ने बताया कि कुल अतिरिक्त भंडार 25 करोड़ बैरल यानी लगभग 4,000 करोड़ लीटर का है। साथ ही रूस, अमेरिका, पश्चिम अफ्रीका और मध्य एशिया से आयात लगातार जारी है। इसलिए मीडिया में आई इस तरह की खबरें कि देश के पास सिर्फ 25 दिन का कच्चा तेल बचा है, गलत है।उल्लेखनीय है कि इस समय भारत छह महादेशों के कुल 40 देश से कच्चे तेल और पेट्रोलियम का आयात करता है और इस मामले में होर्मुज जलडमरूमध्य के ऊपर पूरी तरह से निर्भरता नहीं है।

घरेलू रिफायनिंग कंपनियों की कुल शोधन क्षमता 25.8 करोड़ टन सालाना की है जो मांग से काफी अधिक है। घरेलू मांग 21-23 करोड़ टन सालाना है। पेट्रोल में एथेनॉल के 20 प्रतिशत मिश्रण की अनिवार्यता के कारण हर साल 4.4 करोड़ बैरल यानी लगभग 60 लाख टन की आयात निर्भरता अलग से कम होती है।

अधिकारियों ने स्पष्ट किया कि यदि होर्मुज जलडमरूमध्य से आयात पूरी तरह से बंद हो जाता है तब भी देश में पेट्रोलियम उत्पादों की कोई कमी नहीं होगी। अमेरिका और इजरायल की संयुक्त सैन्य कार्रवाई में 28 फरवरी को ईरान पर हुए हमले और उसके बाद ईरान की जवाबी कार्रवाई के कारण पश्चिमी एशिया में स्थिति काफी गंभीर हो गई है। कच्चे तेल की आपूर्ति श्रृंखला बाधित हुई है जिससे अंतरराष्ट्रीय स्तर पर इसकी कीमत करीब 20 प्रतिशत बढ़ गयी है।

पीएम मोदी का टीएमसी पर तीखा हमला

बंगाल में हुआ राष्ट्रपति का अपमान, राज्य सरकार जिम्मेदार

» बीपीएस न्यूज

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने पश्चिम बंगाल में अंतर्राष्ट्रीय संथाल सम्मेलन से संबंधित घटनाक्रम पर क्षोभ व्यक्त करते हुए कहा है कि इससे राष्ट्रपति का अपमान हुआ है और इसके लिए राज्य की सरकार जिम्मेदार है। पीएम मोदी ने शनिवार को कहा कि यह घटना शर्मनाक तथा अभूतपूर्व है और जो भी लोकतंत्र तथा आदिवासी समुदायों के सशक्तिकरण में विश्वास करते हैं वे सभी इससे आहत हैं।

उन्होंने कहा,÷राष्ट्रपति जी, जो स्वयं एक आदिवासी समुदाय से आती हैं, द्वारा व्यक्त किए गए दर्द और पीड़ा ने भारत के लोगों के मन में गहरा दुःख पैदा किया है।÷ राष्ट्रपति ने दार्जीलिंग के निकट बागडोगरा हवाई अड्डे के निकट सम्मेलन को संबोधित किया। इसके बाद वह विधाननगर में सम्मेलन के पूर्व निर्धारित आयोजन स्थल पर गयी। इस आयोजन स्थल पर सम्मेलन के लिए स्थानीय प्रशासन ने अनुमति नहीं दी थी।

विधान नगर में स्थानीय निवासियों के साथ बातचीत करते हुए राष्ट्रपति मुर्मू ने कहा कि उन्हें बताया गया है कि यहां पर्याप्त स्थान होने के बावजूद सम्मेलन के आयोजन की मंजूरी नहीं दी गयी। उन्होंने कहा कि उन्हें इस बारे में जानकारी नहीं है कि यह मंजूरी क्यों नहीं दी गयी। इससे पहले बागडोगरा के निकट भारतीय हवाई अड्डा प्राधिकरण

का जमांन पर सम्मेलन का सबांधित करते हुए राष्ट्रपति ने कहा कि लोगों को सम्मेलन में आने से रोकने की घटनाएं किसी अंतर्राष्ट्रीय आयोजन के लिए उचित नहीं हैं।उन्होंने कहा,÷ ऐसा लगता है कि कुछ लोग नहीं चाहते कि संथाल समुदाय एकजुट हो, प्रगति करे और मजबूत हो।÷ पीएम मोदी ने इस घटनाक्रम को राष्ट्रपति का अपमान बताते हुए कहा,÷ पश्चिम बंगाल की टीएमसी सरकार ने सचमुच सभी सीमाएँ पार कर दी हैं। राष्ट्रपति के इस अपमान के लिए उनका प्रशासन जिम्मेदार है।÷

उन्होंने कहा कि यह भी अत्यंत दुर्भाग्यपूर्ण है कि संथाल संस्कृति जैसे महत्वपूर्ण विषय को पश्चिम बंगाल सरकार द्वारा इतने हल्के में लिया जा रहा है। उन्होंने कहा,÷ राष्ट्रपति का पद राजनीति से ऊपर है और इस पद की गरिमा का हमेशा सम्मान किया जाना चाहिए। आशा है कि पश्चिम बंगाल सरकार और टीएमसी में बेहतर समझ प्रबल होगी।

एलपीजी सिलेंडर के बढ़े दाम तो भड़की कांग्रेस

जनता पर लगातार महंगाई का हंटर चला रहे हैं प्रधानमंत्री: खरगे

नई दिल्ली। कांग्रेस ने घरेलू एलपीजी सिलेंडर की कीमत में 60 रुपये बढ़ोतरी को लेकर शनिवार को केंद्र सरकार पर निशाना साधते हुए आरोप लगाया कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जनता पर लगातार महंगाई का हंटर चला रहे हैं।

पार्टी अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर लिखा, घरेलू एलपीजी सिलेंडर में 60 रुपये का इजाफा, वाणिज्यिक एलपीजी में कमाया 115 रुपये का मुनाफा, पहले कम अंतरराष्ट्रीय दामों का लाभ जनता से छीना, अब महंगाई के बोझ से जनता का निकाला पसीना।

उन्होंने कहा, जंग होने पर सब चंगा सी वाली दावेबाज मोदी सरकार पर्याप्त तेल-गैस, उर्वरक मुहैया कराने में लाचार है। कांग्रेस ने एक्स पर अपने आधिकारिकहैंडल से पोस्ट किया, महंगाई मैन मोदी ने जनता को झटका दिया । मोदी सरकार ने घरेलू एलपीजी सिलेंडर के दाम सीधे 60 रुपये बढ़ा दिए हैं। वहीं, वाणिज्यिक एलपीजी सिलेंडर के लिए अब आपको 115 रुपये ज्यादा चुकाने होंगे।

उसने आरोप लगाया कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जनता पर लगातार महंगाई का हंटर चला रहे हैं।पश्चिम एशिया में जारी संघर्ष के बीच घरेलू एलपीजी (तरलीकृत पेट्रोलियम गैस) सिलेंडर की कीमत में 60 रुपये और वाणिज्यिक सिलेंडर की कीमत में 114.5 रुपये की वृद्धि की गई है। इंडियन ऑयल कॉरपोरेशन (आईओसी) की वेबसाइट के अनुसार, दिल्ली में अब गैर-सब्सिडी वाली एलपीजी (जिसका इस्तेमाल उज्ज्वला लाभार्थियों के अलावा आम घरेलू उपभोक्ता अपनी रसोई में करते हैं) का 14.2 किलोग्राम का सिलेंडर 913 रुपये में मिलेगा जबकि पहले इसकी कीमत 853 रुपये थी। एक साल से भी कम समय में कीमत में दूसरी बार बढ़ोतरी की गई है।

बदल गया एलपीजी बुकिंग रूल : अब 21 दिन के अंतराल में होगी गैस बुकिंग

कानपुर। अमेरिका-इजरायल का ईरान के साथ चल रहा युद्ध का असर अपने देश पर साफ दिखाई देने लगा है। एलएनजी की आपूर्ति कम होने की आशंक बीच देश में सीएनजी और पीएनजी सप्लाई प्रभावित होने का खतरा बढ़ गया है। गैस कंपनियों ने एलपीजी सिलेंडर की बुकिंग के नियमों में बदलाव कर दिया है। अब अंतिम गैस सिलेंडर की डिलीवरी के बाद अगली बुकिंग 21 दिन के अंतराल के बाद ही होगी।

इस नए नियम से शहर मे कालाबाजी का एक अयाम खुल जाएगा। शहर के उपभोक्ताओं की चिंता इस फैसले से बढ़ गई है। अपने शहर में दो लाख से अधिक सीएनजी वाहन और करीब एक लाख पीएनजी उपभोक्ता हैं। जैसा कि कई इलाकों में पहले से ही गैस सि की डिलीवरी में देरी की शिकायतें सामने आती रही हैं। ऐसे में बुकिंग के लिए अतिरिक्त इंतजार से घरेलू बजट और रसोई की व्यवस्था दोनों प्रभावित होने की आशंका जताई जा रही है।

इस संबंध में एलपीजी वितरक संगठन के संरक्षक भारतीष मिश्रा का कहना है कि इसका उद्देश्य सीमित आपूर्ति के सभी उपभोक्ताओं तक गैस की उपलब्धता सुनिश्चित करना और घरेलू जरूरतों को प्राथमिकता देना है। बताते चलें कि तमाम ऐसे लोग हैं जिनके पास सिलेंडर की संख्या कम है लेकिन परिवार बड़ा है। ऐसे परिवार के सामने कालीबाजारी से सिलेंडर लेने के अलावा कोई चारा नहीं बचेगा।

पाकिस्तान में 335 रुपये लीटर हुआ पेट्रोल: नोएडा के पंपों पर लगी भीड़

» बीपीएस न्यूज

नई दिल्ली। खाड़ी देशों में युद्ध के कारण पाकिस्तान में तेल की कीमतों में 55 रुपये प्रति लीटर का इजाफा किया गया है। इस कारण वहां पर पेट्रोल की कीमतें 335 रुपये प्रति लीटर पहुंच चुकी है।

ईरान व अमेरिका-इस्त्राइल के बीच युद्ध के कारण भारत में भी पेट्रोल व डीजल महंगा होने वाला है। इसकी आशंका पर शनिवार को ग्रेटर नोएडा के काफी पेट्रोल पंपों पर भीड़ देखने को मिली। वहां लंबी लाइन लगी थी। ज्यादातर लोग कार व बाइक के टैंक को पूरा भरवा रहे थे। वहीं प्रशासन भी लगातार पेट्रोलियम कंपनियों के संपर्क में हैं। अफसरों का कहना है कि युद्ध का असर हर जगह है। पेट्रोलियम कंपनियां यहां भी कीमतें बढ़ाने की तैयारी कर रही हैं।खाड़ी देशों में युद्ध का असर अन्य देशों पर भी पड़ रहा है। ईरान पर हमले के कारण ईंधन की आपूर्ति पर असर पड़ा है। वहां से दुनिया भर में 20 प्रतिशत तेल जाता है। आपूर्ति बंद होने पर वैश्विक स्तर पर कच्चे तेल की कीमतें 90 डॉलर प्रति बैरल को पार कर चुकी है। इस कारण अन्य देशों में तेल की कीमतें बढ़ने लगी हैं। अगर युद्ध जारी रहा तो भारत में भी तेल की कीमतें जल्द बढ़ जाएंगी। शनिवार को शहर में तेल की कीमतें बढ़ने की आशंका रही। कुछ पेट्रोल पंपों पर शाम को काफी भीड़ रही।

अजित पवार प्लेन क्रैश: संसद में उठेगा अजित पवार के विमान हादसे का मुद्दा? केजरीवाल से एनसीपीनेता ने की मुलाकात

» बीपीएस न्यूज

नई दिल्ली । एनसीपी प्रमुख और महाराष्ट्र के पूर्व डिप्टी सीएम रहे अजित पवार की विमान हादसे में मौत के मामले में उनके भतीजे रोहित पवार की तरफ से कई दावे किए गए हैं। इसी बीच उन्होंने दिल्ली में पूर्व सीएम अरविंद केजरीवाल से मुलाकात की है और उनसे समर्थन मांगा है। एनसीपी शरद गुट के नेता रोहित पवार ने शनिवार को दिल्ली में पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल के आवास पर उनसे मुलाकात की और महाराष्ट्र के पूर्व उपमुख्यमंत्री अजित पवार की मृत्यु की आपराधिक जांच में सहयोग का अनुरोध किया। एनसीपी शरद गुट नेता ने बताया कि केजरीवाल ने उन्हें संसद में इस मुद्दे को उठाने में सहायता का आश्वासन दिया।

वहीं, केजरीवाल से मुलाकात के बाद रोहित पवार ने पत्रकारों से कहा, %हम यह सुनिश्चित करना चाहते हैं कि अजित दादा को न्याय मिले, चाहे उनकी मृत्यु दुर्घटना हो या राजनीतिक साजिश। इसके लिए गहन आपराधिक जांच बेहद जरूरी है। महाराष्ट्र में हमें न्याय नहीं मिल रहा है। महाराष्ट्र पुलिस ने हमारी एफआईआर दर्ज नहीं की है और सीआईडी जांच बहुत धीमी गति से चल रही है।% उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि अगर महाराष्ट्र में इतने प्रभावशाली नेता को न्याय नहीं मिल पा रहा है, तो सत्ता में बैठे लोगों का विरोध करने वाले सांसदों और अन्य लोगों के लिए संसद में इस मुद्दे को उठाना आवश्यक है।रोहित पवार ने आगे कहा कि अरविंद केजरीवाल एक

ऐसे नेता हैं जो मुद्दों को बारीकी से समझते हैं। उन्होंने यह भी कहा कि इस मुद्दे को नजरअंदाज नहीं किया जाना चाहिए। हम अजित दादा के लिए न्याय दिलाने का प्रयास कर रहे हैं और उन्होंने हमें आश्वासन दिया है कि हमारे प्रयासों में उनका पूरा समर्थन रहेगा। इसके अलावा, उन्होंने नागरिक उड्डयन महानिदेशालय (डीजीसीए) में सुधारों की तत्काल आवश्यकता पर भी बल दिया। डीजीसीए के वर्तमान कामकाज को भ्रष्ट और समस्याग्रस्त बताते हुए रोहित पवार ने कहा कि आवश्यक सुधारों से जनता को व्यापक लाभ होगा।

अखिलेश यादव बोले, हम मायावती और नीतीश कुमार को बनाना चाहते थे प्रधानमंत्री

» बीपीएस न्यूज

लखनऊ। सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने कहा कि हम मायावती और नीतीश कुमार को प्रधानमंत्री बनाने के पक्ष में थे। वहीं, गैस के दामों को लेकर भी उन्होंने भाजपा पर हमला बोला।

सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार को राज्यसभा भेजे जाने को लेकर कहा कि जब 2024 में इंडिया गठबंधन बना था तो हम लोग उन्हें प्रधानमंत्री बनाना चाहते थे। इसी तरह जब 2019 में सपा-बसपा का गठबंधन हुआ था तो हम मायावती को प्रधानमंत्री बनाना चाहते थे लेकिन लगता है कि भाजपा नीतीश जी को राज्यसभा सदस्य के रूप में ही रिटायर

करना चाहती है।अखिलेश यादव शनिवार को सपा मुख्यालय लखनऊ में मीडिया को संबोधित कर रहे थे। इस मौके पर उन्होंने चुनाव आयोग पर भी निशाना साधा और कहा कि चुनाव आयोग झूठ बोलता है। उन्होंने कहा कि भाजपा के लोग सपा का फर्जी वीडियो चलवा रहे हैं। हम उन पर मुकदमा करेंगे।प्रदेश में गैस सिलेंडर के दाम बढ़ाने को लेकर उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार महंगाई बढ़ा रही है। सुबह देखा कि गैस के दाम बढ़ा दिए गए हैं। उन्होंने कहा कि जब जाएंगे भाजपाई, तब घटेगी महंगाई। उन्होंने केंद्र की भाजपा सरकार पर हमला करते हुए कहा कि आज भारत की विदेश नीति विदेशी तय कर रहे हैं जबकि देश की विदेश नीति हमारी सरकार को ही तय करनी चाहिए पर ऐसा नहीं हो रहा है।

देवकीनंदन ठाकुर की होली को लेकर चेतावनी, 'शराब-मांस-जुए की यहां कोई जगह नहीं

» बीपीएस न्यूज

लखनऊ। ब्रज में होली का उत्सव अनोखा और आध्यात्मिक है। यहां होली सिर्फ रंगों का त्योहार नहीं, बल्कि भगवान कृष्ण की लीलाओं से जुड़ी परंपराओं का महोत्सव भी है। आध्यात्मिक नेता देवकीनंदन ठाकुर ने मथुरा में कहा कि 'देश-विदेश से लोग भगवान के रंग में रंगने आए हैं।

आध्यात्मिक नेता देवकीनंदन ठाकुर ने आगे कहा कि, 'ब्रज की होली प्रेम, रंग और संस्कारों की है। इसमें शराब, मांस, द्वेष और जुए की कोई जगह नहीं। जो ऐसा करते हैं, वे सनातन परंपराओं का पालन नहीं करते।' उन्होंने बताया कि इस साल चंद्र ग्रहण पूर्णिमा के दिन पड़ रहा है, इसलिए होली का उत्सव विशेष सावधानी के साथ मनाया जा रहा है। सूतक काल में गर्भवती महिलाओं और छोटे बच्चों को घर में रहकर भगवान का जाप करना चाहिए।प्रसिद्ध कथावाचक देवकीनंदन ठाकुर बार-बार नशे की लत के खिलाफ आवाज उठाते हैं। उनके प्रवचनों में भी नशेड़ियों को साफ चेतावनी मिलती है कि नशा (शराब, ड्रग्स) जीवन को बर्बाद कर देता है और युवा पीढ़ी को इससे बचना चाहिए।फूलों की होली- वृंदावन के मंदिरों में भक्तों पर फूल बरसाए जाते हैं। यह दृश्य बेहद मनमोहक और आध्यात्मिक होता है।लठमार होली- बरसाना और नंदगांव में महिलाएं हंसी-मजाक में पुरुषों को लाठियों से मारती हैं, पुरुष ढाल से बचते हैं। गोकुल-महावन में छड़ी मार होली और हुरंगा प्रसिद्ध है।होलिका दहन और धुलेंडी- रात के वक्त होलिका दहन किया जाता है, चंद्र ग्रहण के कारण विशेष सावधानी बरती जाएगी। 4 मार्च को रंगवाली होली यानी धुलेंडी खेली।ब्रज में होली बसंत पंचमी से शुरू होकर 40 दिनों तक चलती है। जहां देशभर में 4 मार्च को होली मनाई जाएगी, वहीं ब्रज में उत्सव मार्च के दूसरे सप्ताह तक जारी रहेगा।

गुजरात एंटरटेनमेंट एंड मीडिया इंडस्ट्रीज द्वारा आयोजित सेमिनार संपन्न!

वेस्टर्न इंडिया फिल्म एंड टीवी प्रोड्युसर्स एसोसिएशन ,मुंबई और सर्विस एक्सपोर्ट प्रोमोशन काउंसिल वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय (भारत सरकार) की एक इकाई गुजरात एंटरटेनमेंट एंड मीडिया इंडस्ट्रीज ने पिछले दिनों अहमदाबाद में गुजरात विश्वविद्यालय परिसर में गुजरात की मनोरंजन और मीडिया उद्योग पर एक सम्मेलन का आयोजन किया। इस सेमिनार में सरकारी अधिकारी, फिल्म जगत के दिग्गज, निर्माता, कलाकार, तकनीज्ञ और गुजरात विश्वविद्यालय के छात्रों ने भाग लिया। गुजरात सरकार की सिनेमा और पर्यटन नीति फिल्म निर्माण के लिए सुविधाएं प्रदान करने का उद्देश्य रखती है, जिसमें वित्तीय प्रोत्साहन, बुनियादी ढांचे का विकास और युवाओं के लिए रोजगार के अवसर शामिल हैं।इस उद्देश्य की पूर्ति और प्रचार प्रसार हेतु आयोजित इस कार्यक्रम में प्रख्यात वक्ताओं डॉ. जयंतीलाल गडा, डॉ. अभय सिन्हा, संदीप पटेल, डॉ. नेत्री त्रिवेदी, अभिषेक शाह, अभिषेक जैन ने अवसरों और मनोरंजन क्षेत्र में चुनौतियों पर अपने मूल्यवान सुझाव दिए। परिषद के मुख्य आयोजक सर्विस एक्सपोर्ट प्रोमोशन काउंसिलठ्ठ के निदेशक डॉ. अभय कुमार सिन्हा, वेस्टर्न इंडिया फिल्म एंड टीवी प्रोड्युसर्स एसोसिएशन के अध्यक्ष संग्राम शिर्के ने सुपरहिट फिल्म 'लालो' का उदाहरण देते हुए गुजराती फिल्म इंडस्ट्री के बारे मे कहा कि आने वाले समय मे गुजराती फिल्म जगत एक अलग मुकाम हासिल करेगी।गुजरात युनिवर्सिटी के विद्यार्थियों को उन्होंने प्रोत्साहन दिया और कार्यक्रम के आयोजक विफ्पा उपाध्यक्ष डॉ. हिराचंद दंड ने भी मनोरंजन उद्योग के भविष्य पर अपने मूल्यवान सुझाव दिए। इस कार्यक्रम में गुजराती फिल्म उद्योग, फिल्म निर्माण के मुद्दे, सरकारी सब्सिडी, लेखकों और निर्देशकों की भूमिका और गुजरात में सिनेमा हॉल से जुड़ी समस्याओं व अन्य अतिरिक्त विभिन्न विषयों पर भी चर्चा की गई। गुजराती फिल्म स्टार हितेश कनोडिया, फिल्म 'लालो' की पूरी टीम और अन्य कलाकारों ने इस सेमिनार और कांफ्रेंस में भाग लिया।वेस्टर्न इंडिया फिल्म एंड टीवी प्रोड्युसर्स एसोसिएशन के प्रतिनिधि मंडल में वरिष्ठ उपाध्यक्ष श्रीमती अंजना शर्मा, मानद महासचिव दिनेश आशिवाल, संयुक्त सचिव चांदनी गुप्ता, धर्मेंद्र मेहरा, मानद महासचिव फिल्म मेकर्स कॉम्बाइन और फिल्म फेडरेशन ऑफ इंडिया, अमित कुमार गुप्ता, कोषाध्यक्ष ङ्क फिल्म मेकर्स कॉम्बाइन, डॉ. प्रल्हाद खंडारे, कोषाध्यक्ष, श्रीमती चंदा पटेल, अखिल कोटक, कार्यकारी समिति सदस्य एवं गुजरात कार्यालय व्यवस्थापक हितेश आनंद उपस्थित थे।

प्रस्तुति - काली दास पाण्डेय

फल एक-फायदे अनेक, क्या आपको पता है ड्रैगन फ्रूट खाने के फायदे

आज के दौर में स्वस्थ रहना किसी चुनौती से कम नहीं है। ऐसे में 'सुपरफूड्स' हमारे आहार का एक अहम हिस्सा बन गए हैं। इन्हीं में से एक फल है ड्रैगन फरूट, जिसे इसके अनूठे रूप के कारण 'कमलम' भी कहा जाता है। ऊपर से गुलाबी और अंदर से सफेद या लाल रंग का यह फल न सिर्फ दिखने में आकर्षक है, बल्कि गुणों का खजाना भी है। आइए जानते हैं ड्रैगन फरूट खाने के क्या-क्या फायदे हैं?

कैंसर जैसी गंभीर बीमारी से सुरक्षा

ड्रैगन फरूट में एंटी-ऑक्सीडेंट्स प्रचुर मात्रा में होते हैं। ये शरीर में फ्री-रेडिकल्स से लड़ने में मदद करते हैं। ड्रैगन फरूट में मौजूद लाइकोपीन कैंसर कोशिकाओं को बढ़ने से रोकने में सहायक हो सकता है।

ब्लड शुगर को करे कंट्रोल

डायबिटीज के मरीजों के लिए यह फल किसी वरदान से कम नहीं है। इसमें प्रचुर मात्रा में फाइबर होता है, जो खून में शुगर के स्तर को अचानक बढ़ने से रोकता है। हालांकि, टाइप-2 डायबिटीज के मरीजों को इसे सीमित मात्रा में लेने की सलाह दी जाती है।

दिल की सेहत का साथी

ड्रैगन फरूट के छोटे-छोटे काले बीजों में ओमेगा-3 और ओमेगा-9 फैटी एसिड होते हैं। ये हृदय को स्वस्थ रखने और शरीर में बैड कोलेस्ट्रॉल को कम करने में मदद करते हैं, जिससे हार्ट अटैक का खतरा कम होता है।

पाचन तंत्र में करता है सुधार

अगर आप कब्ज या पेट की समस्याओं से परेशान हैं, तो ड्रैगन फरूट आपकी मदद कर सकता है। इसमें मौजूद फाइबर पाचन को सुचारू बनाता है और गुड बैक्टीरिया को बढ़ाता है।

इम्यूनिटी बढ़ाने में मददगार

इसमें विटामिन-ष्ट की उच्च मात्रा होती है, जो आपके इम्यून सिस्टम को इतना मजबूत बनाती है कि आप मौसमी बीमारियों और संक्रमणों से आसानी से लड़ सकें।

एंटी-ऑक्सीडेंट्स से भरपूर होने के कारण, यह त्वचा की झुर्रियों को कम करता है। इसे खाने या इसका फेस पैक लगाने से चेहरे पर प्राकृतिक निखार आता है।

एनीमिया से दिलाता है राहत

भारत में महिलाओं में खून की कमी एक आम समस्या है। ड्रैगन फरूट आयरन का एक अच्छा स्रोत है, जो शरीर में हीमोग्लोबिन के स्तर को बढ़ाने में मदद करता है।

हड्डियों और दांतों की मजबूती

इसमें कैल्शियम और फास्फोरस पाया जाता है, जो हड्डियों के डेंसिटी को बनाए रखने और दांतों को मजबूत करने के लिए आवश्यक है।

आंखों के लिए फायदेमंद

बीटा-कैरोटीन से भरपूर होने के कारण, यह आंखों की रोशनी को बरकरार रखने और मोतियाबिंद जैसी समस्याओं के जोखिम को कम करने में मदद करता है।

वजन घटाने में सहायक

ड्रैगन फरूट में कैलोरी बहुत कम होती है और पानी की मात्रा अधिक। इसे खाने के बाद लंबे समय तक भूख नहीं लगती, जिससे वजन नियंत्रित करना आसान हो जाता है।

इस आर्टिकल में बताई विधियां, तरीके और दावे अलग-अलग जानकारियों पर आधारित हैं। आर्टिकल में दी गई जानकारी के सही होने का दावा नहीं करता है। किसी भी उपचार और सुझाव को अप्लाई करने से पहले डॉक्टर या एक्सपर्ट की सलाह जरूर लें।

क्या आप भी रूखी और बेजान स्किन से हैं परेशान?

जरूर अपनाएं एलोवेरा जेल लगाने का सही तरीका, आप की स्किन लगेगी दमकने, आएगा निखार

सर्दियों के मौसम में ठंडी हवा और कम नमी की वजह से स्किन अक्सर रूखी और बेजान नजर आने लगती है। खासकर चेहरे की स्किन में खिंचाव आने लगता है और नेचुरल ग्लो कम हो जाता है। ऐसे में अगर आप नेचुरल और असरदार स्किन केयर उपाय तलाश रहे हैं, तो एलोवेरा जेल आपकी इस समस्या का आसान समाधान कर सकता है।

एलोवेरा जेल क्यों है स्किन के लिए फायदेमंद

ठंड के मौसम में हवा में नमी कम हो जाती है, जिसकी वजह से स्किन अपनी नेचुरल मॉइस्चर खोने लगती है। इससे स्किन ड्राई, खुरदुरी और टाइट महसूस होती है। कई बार स्किन डल भी दिखने लगती है, जिससे चेहरे की चमक कम हो जाती है। एलोवेरा में विटामिन, मिनरल्स और एंटीऑक्सीडेंट्स भरपूर मात्रा में पाए जाते हैं।

ये तत्व स्किन को गहराई से पोषण देने के साथ-साथ उसे हाइड्रेट रखते हैं। एलोवेरा जेल स्किन को सॉफ्ट बनाता है और उसकी खोई हुई नमी को वापस लाने में मदद करता है।

चेहरे पर एलोवेरा जेल लगाने से पहले क्या करें

एलोवेरा जेल लगाने से पहले चेहरे को अच्छी तरह साफ करना जरूरी होता है। सर्दियों में आप गुनगुने पानी से चेहरा धो सकते हैं,

जिससे पोर्स खुलते हैं और स्किन पर जमी गंदगी निकल जाती है। बेहतर रिजल्ट के लिए माइल्ड फेसवॉश का इस्तेमाल भी किया जा सकता है।

एलोवेरा जेल लगाने का सही तरीका

चेहरा धोने के बाद उसे हल्के हाथों से पोंछ लें, लेकिन इस बात का ध्यान रखें कि स्किन पर थोड़ी नमी बनी रहे। अब हथेली पर थोड़ी मात्रा में एलोवेरा जेल लें और

उंगलियों की मदद से चेहरे और गर्दन पर सर्कुलर मोशन में हल्के हाथों से मसाज करें। इससे जेल स्किन में अच्छी तरह एब्जॉर्ब हो जाता है। आप इसे रात के समय भी लगा सकते हैं।

एलोवेरा जेल के साथ क्या मिलाकर लगाएं

ड्राई स्किन वालों के लिए एलोवेरा जेल के साथ नारियल तेल या बादाम तेल मिलाकर लगाना फायदेमंद हो सकता है। इससे स्किन को

पोषण मिलता है और लंबे समय तक नमी बनी रहती है।

रोजाना रूप से एलोवेरा जेल का इस्तेमाल करने से चेहरे पर नेचुरल निखार भी नजर आने लगता है।

गैस एसिडिटी का रामबाण इलाज हैं ये 5 सुपर फूड्स, पेट को भी मिलेगा फौरन आराम

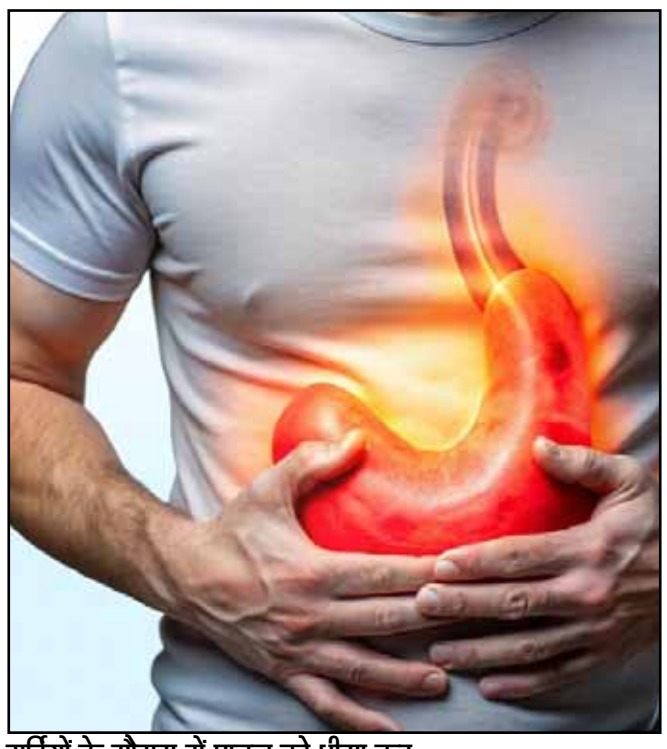

सर्दियों के मौसम में पाचन को धीमा कर देता है। इस दौरान लार का उत्पादन कम होता है। सर्दियों में लोगों को भारी और मसालेदार खाने की इच्छा होती है, जो एसिड रिफ्लक्स की समस्या का कारण बनती हैं।

हेल्दी डाइट अपनाने से पेट को आराम मिलता है और एसिडिटी की समस्या से बचाव किया जा सकता है। पाचन से जुड़ी परेशानियों को कम करने के लिए ऐसे खाद्य पदार्थों का सेवन करना चाहिए जो हल्के हों और आसानी से पच जाएं। इस लेख में हम उन 5 खास चीजों के बारे में बता रहे हैं, जिनका सेवन करने से सर्दियों के मौसम में एसिडिटी की समस्या से राहत मिल सकती है।

हर्बल चाय का सेवन करें

ठंड के दौरान एसिडिटी से बचने के लिए हाइड्रेशन जरुरी है। सौंफ, अदरक या कैमोमाइल टी पिएं। ये एसिड के स्राव को रोकते हैं।

सर्दियों में ज्यादा कैफीन, चॉकलेट या तले हुए खाने से बचना चाहिए। कम खाना खाएं और उसे सीधे बैठकर खाएं। रात में बेड का सिरहाना 6 से 8 इंच ऊपर रखकर सोएं।

ओट्स और साबुत अनाज खाएं

हेल्थ एक्सपर्ट ने बताया है कि एसिडिटी से बचने के लिए एक बाउल केले या सेब के साथ ओटमील खाएं। इससे शरीर को घुलनशील फाइबर मिलता है जो पेट के अतिरिक्त एसिड को सोख लेता है और पाचन को दुरुस्त करता है। ओट्स का बीटा-ग्लूकन भोजन नली में एक सुरक्षा परत बनाता है जो सर्दियों में पेट की समस्याओं से निजात दिलाता है।

खट्टे फल न खाएं

ठंड के मौसम में खरबूजा, पपीता, नाशपाती जैसे खट्टे फलों का सेवन न करें। ये कम एसिड वाले फल होते हैं इनमें एंजाइम भरपूर मात्रा में होता है। पपीते में मौजूद पपैन प्रोटीन को ब्रेक करने में मदद करता है जिससे एसिड जमा नहीं होता है। संतरे या अनानास का सेवन नहीं करना चाहिए।

सर्दियों में सब्जियों को प्राथमिकता दें

हेल्थ एक्सपर्ट में बताया है कि सर्दियों में सब्जियों का सेवन करें जैसे कि- गाजर, पालक और स्टीम्ड ब्रोकली का सेवन करें, इनमें मैग्नीशियम और पोटैशियम मौजूद होता है

जिससे एसिड रिफ्लक्स की समस्या दूर होती है। शकरकंद को भूनकर या मैशकर खाएं। ये पीएच लेवल को स्थिर रखता है।

डेयरी प्रोडक्ट्स का सेवन करें

एसिडिटी से बचाव के लिए डेयरी के हल्के और सेहतमंद विकल्पों को अपनी डाइट में शामिल करना फायदेमंद होता है।

बादाम का दूध और कम वसा वाला दही इसके अच्छे विकल्प हैं। दही में मौजूद प्रोबायोटिक्स पेट की अंदरूनी परत को शांत रखने में मदद करते हैं और पाचन को बेहतर बनाते हैं।

अगर दही को अदरक के साथ लिया जाए, खासकर ग्रीक दही, तो यह पेट की सूजन को कम करने में सहायक होता है।

वहीं अदरक एसिड रिफ्लक्स की समस्या को भी नियंत्रित करने में मदद करता है।

खाने के बाद सौंफ चबाएं, इसमें मौजूद एनेथॉल कंपाउंड जीआई मांसपेशियों को आराम पहुंचाता है

भारत की टी-20 विश्वकप जीत पर कानपुर झूमा, होली के बीच दिखा दिवाली सा उत्साह

» बीपीएस न्यूज

कानपुर। भारत की टी-20 विश्वकप जीत पर कानपुर में जश्न मनाया गया। खिताब जीतते ही शहर में उत्सव जैसा वातावरण बन गया। आईसीसी पुरूष टी-20 क्रिकेट विश्वकप के फाइनल में भारत की ऐतिहासिक जीत के बाद पूरे देश के साथ कानपुर में भी जश्न का माहौल छा गया। नरेंद्र मोदी स्टेडियम में खेले गए फाइनल मुकाबले में भारतीय टीम के लगातार दूसरी बार खिताब जीतते ही शहर में उत्सव जैसा वातावरण बन गया। होली की खुशियां अभी थमी भी नहीं थीं कि सड़कों पर दिवाली जैसा नजारा दिखाई देने लगा।

रविवार देर रात शहर के गोविंद नगर, किदवई नगर, सिविल लाइंस, तिलक नगर, हर्ष नगर, शास्त्री नगर, बर्रा, फूलबाग समेत शहर के क्षेत्रों में लोगों ने आतिशबाजी कर भारतीय टीम की जीत का जश्न मनाया। युवाओं और क्रिकेट प्रेमियों ने हाथों में तिरंगा लेकर भारत माता की जय और हम हैं विश्व चैंपियन के नारे लगाए। शास्त्री नगर, फूलबाग समेत कई स्थानों पर बड़ी स्क्रीन लगाकर लोगों ने फाइनल मुकाबले का सामूहिक आनंद लिया।

दिन में मंदिरों में भी टीम इंडिया की जीत के लिए विशेष प्रार्थनाएं की गई थीं।भारतीय टीम के स्टार स्पिनर कुलदीप यादव के जाजमऊ स्थित आवास पर शुभकामनाएं देने वालों की भीड़ लगी रही। उनके बचपन के कोच कपिल पांडे ने भी टीम की इस उपलब्धि पर खुशी जताते हुए जश्न मनाया। इधर ग्रीनपार्क स्टेडियम के छात्रावास में भी खिलाड़ियों ने जीत का उत्सव मनाया। वहीं ऐमराल्ड गार्डेन में भी लोगों ने पटाखे छोड़कर और मिठाइयां बांटकर खुशी का इजहार किया। भारतीय टीम की इस शानदार उपलब्धि पर उत्तर प्रदेश क्रिकेट एसोसिएशन के पदाधिकारियों सहित यूपी टी-20 लीग के चेयरमैन संजय कपूर ने टीम को बधाई देते हुए इसे देश के लिए गर्व का पल बताया।

शंकराचार्य अविमुक्तेश्वरानंद का बड़ा बयान, बोले- शौचालय तक तो ठीक थे, बाहर निकलते ही हमला

» बीपीएस न्यूज

कानपुर/उन्नाव में शंकराचार्य अविमुक्तेश्वरानंद ने आशुतोष ब्रह्मचारी पर हुए हमले को फर्जी बताते हुए इसे सुरक्षा पाने और शंखनाद यात्रा से ध्यान भटकाने की साजिश करार दिया है। यौन शोषण का आरोप लगाने वाले आशुतोष ब्रह्मचारी पर हाल ही में हुए हमले को लेकर शंकराचार्य स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद ने शंका व्यक्त की है। उन्नाव में दिए गए अपने बयान में उन्होंने इस पूरी घटना को एक सुनियोजित प्रयास करार दिया।

आशुतोष ब्रह्मचारी पर हुए हमले पर शंकराचार्य अविमुक्तेश्वरानंद ने कहा कि किसी के ऊपर ऐसा हमला दुखी करेगा जो व्यक्ति अहिंसा को मानता हो और जिसका हिंसा पर विश्वास ना हो। कहा कि शौचालय जा रहे थे, तब तक तो ठीक थेजनिकालने के बाद दिक्कत हो गई।हमला टॉयलेट के अंदर नहीं बाहर हुआ है, जिसे किसी ने देखा ही नहीं। हमले पर शंका उत्पन्न होती है, क्योंकि आपराधिक इतिहास वाले अपने ऊपर स्वयं हमला करक , अपने आप को विक्टिम के रूप में दिखाते हैं। सिम्पैथी व सुरक्षा प्राप्त करने के लिए भी ऐसा हो सकता है। कहा शंखनाद यात्रा जो हमारी हो रही है।

साइबर थाने की महिला एसआई को सम्मानित करेगा आईसी फोर

कानपुर। साइबर थाने की महिला एसआई देश भर की 33 महिला पुलिस कर्मियों में शामिल हैं। प्रदेश से चार पुलिसकर्मियों को उपलब्धि मिलेगी।

कमिश्नरी पुलिस के साइबर थाने की सब इंस्पेक्टर रिया तिवारी के नाम से उपलब्धि जुड़ने जा रही है। उन्हें महिला संबंधी साइबर अपराध के बड़े मामलों के खुलासे और जागरूकता फैलाने के लिए गृह मंत्रालय के भारतीय साइबर अपराध समन्वय केंद्र की ओर से सम्मानित किया जाएगा। उनका नाम सेंटर फॉर पुलिस टेक्नोलॉजी की ओर से अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस पर नामित हुआ है। सम्मान के लिए देश भर से कुल 33 महिला पुलिसकर्मी चुनी गई हैं, जिसमें उत्तर प्रदेश पुलिस की चार महिला पुलिसकर्मी शामिल हैं। रिया तिवारी मूलरूप से ललितपुर की रहने वाली हैं। पिता सेना में थे, जिनको देखकर उन्हें भी सेना या पुलिस में जाने की इच्छा हुई। महिला एसआई 2023 बैच की हैं। कानपुर कमिश्नरी पुलिस में मौजूदा समय में साइबर क्राइम थाने में तैनात हैं।उन्होंने एचबीटीयू, सीएसजेएमयू, सीएसए, मेडिकल कॉलेज समेत कई स्कूल व कॉलेजों के छात्र-छात्राओं को साइबर अपराध से जागरूक किया है। कई सेमिनार में भी शामिल हो चुकी हैं। रिया तिवारी ने दिल्ली विश्वविद्यालय से मैथ्स से ऑनर्स किया है। उनकी इच्छा शुरू से एआई और साइबर क्राइम के क्षेत्र में कार्य करने की रही है।

अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस: कानपुर की इन वंडर वुमन ने बदली समाज की सोच, तकनीक से लेकर सेना तक बुलंद की पहचान

» बीपीएस न्यूज

कानपुर। महिला दिवस पर कानपुर की बेटियों ने शताब्दी ट्रेन की घोषणा, सेना में नेतृत्व और बुर्ज खलीफा तक अपनी सफलता की गूंज पहुंचाकर शहर का नाम रोशन किया है। ये पंक्तियां महिला सशक्तिकरण, साहस और आधुनिक पहचान को दर्शाती हैं। यह बताती हैं कि महिला केवल घर तक सीमित नहीं, बल्कि समाज में शक्ति, प्रेरणा, बदलाव और मार्गदर्शक की वाहक है। कुछ इसी तरह आगे बढ़ते हुए डिजिटल सहायक हो या रास्ता दिखाने वाला नेविगेशन, रेलवे स्टेशन पर अगली ट्रेन की घोषणा हो या मेट्रो में आने वाले स्टेशन की जानकारी... हर जगह महिलाओं की आवाज ने अपनी पहचान बना ली है। स्मार्ट स्पीकर और मोबाइल फोन में मौजूद वर्चुअल असिस्टेंट जैसे अलेक्सा, सिरी से लेकर रेलवे स्टेशनों, मेट्रो और कस्टमर-केयर की रिकॉर्डेड कॉल तक, अनेक जगहों पर महिला स्वर ही लोगों का मार्गदर्शन करता है।

महिला आवाज को अधिक स्पष्ट, संतुलित और भरोसेमंद माना जाता है, इसलिए कई तकनीकी सेवाओं और सार्वजनिक घोषणाओं में इसे प्राथमिकता दी जाती है। यह केवल तकनीक की पसंद नहीं, बल्कि इस बात का भी संकेत है कि महिलाओं की उपस्थिति और प्रभाव आज जीवन के लगभग हर क्षेत्र में महसूस किया जा सकता है। नमस्कार कानपुर-दिल्ली शताब्दी ट्रेन में आपका स्वागत है... सुबह छह बजे सेंट्रल स्टेशन से दिल्ली के लिए रवाना होने वाली शताब्दी ट्रेन में आपने यह आवाज जरूर सुनी होगी। यह आवाज किसी और की नहीं, बल्कि रेडियो मिर्ची की आरजे श्रेया की है। ट्रेन की लॉन्चिंग के दौरान श्रेया को अनाउंसमेंट के लिए चयनित किया गया था। उस समय उनका शो पुरानी जींस एफएम पर काफी लोकप्रिय था, जिसे सुनकर रेलवे अधिकारियों ने उन्हें बुलाया और उनकी आवाज रिकॉर्ड की। करीब 16 वर्षों से श्रेया की आवाज कानपुर से दिल्ली तक यात्रियों का मार्गदर्शन कर रही है। श्रेया कहती हैं कि कई श्रोता उनकी आवाज को पहचान कर उन्हें सोशल मीडिया पर टैग करते हैं। यह उनके लिए गर्व का अनुभव है और उनके पिता भी इस उपलब्धि पर बेहद खुश हैं। जब रिकॉर्डिंग की गई थी, उस समय इटावा स्टॉपेज शामिल नहीं था। बाद में इसे जोड़ा गया। केवल इटावा शब्द उनका नहीं है, पिछले 16 वर्षों में बाकी रिकॉर्डिंग में बिल्कुल बदलाव नहीं हुआ है। वर्तमान में श्रेया क्रिएटिव हेड के पद पर कार्यरत हैं।

टीवी शो में सुनाई देने वाली चिड़िया, कुत्ते, बिल्ली और कार्टून कैरेक्टर जैसे डोरेमोन, शिन-चैन की आवाज निकालने वाली नेहा शर्मा ने अपनी अलग पहचान बनाई है। किदवईनगर की रहने वाली नेहा 100 से ज्यादा एक्टर्स और जानवरों की आवाज निकाल लेती हैं। नेहा कहती हैं कि वह शुरू में सिंगर बनना चाहती थीं और इसके लिए इंडियन आइडल शो में भी गई थीं, लेकिन तब अनु मलिक को उनकी कॉमेडी पसंद आई और उन्होंने उन्हें इसी राह को अपनाने की सलाह दी। इसके बाद नेहा कई टीवी शो, कॉमेडी सीरियल और फिल्मों में डबिंग कर चुकी हैं।

हां हम कानपुर से हैं, हमारे यहां थप्पड़ नहीं, कंटाप होता हैज कुछ ऐसी बोली-भाषा से कानपुर को देश-विदेश में पहचान दिलाने का प्रयास कर रहीं नयनी दीक्षित ने अपनी आवाज और अंदाज से लोगों के मन पर खास छाप छोड़ी है। भले ही उन्हें मेरी शादी में जरूर आना फिल्म से प्रसिद्धि मिली, लेकिन नयनी काफी समय से बॉलीवुड में सक्रिय रही हैं। उन्होंने अपने फिल्मी कॅरिअर की शुरुआत स्पेशल 26 फिल्म से की और इसके बाद कई टीवी शो और फिल्मों की डबिंग भी की। एफटीआईआई से प्रशिक्षण प्राप्त करने के बाद नयनी पिछले 16 वर्षों से एक्टिंग की ट्रेनिंग दे रही हैं। स्टैंडअप कॉमेडी में उभरती नयनी सोशल मीडिया के जरिये अपने शहर कानपुर की खूबियों को भी लोगों तक पहुंचा रही हैं। उनका भविष्य का इरादा एक्टिंग स्कूल खोलने का है।

अवैध प्लाटिंग पर केडीए की ताबड़तोड़ कार्रवाई

» बीपीएस न्यूज

कानपुर। अवैध निर्माण और अनधिकृत प्लाटिंग के खिलाफ कानपुर विकास प्राधिकरण (केडीए) ने शुक्रवार को बड़ी कार्रवाई करते हुए लगभग 19.5 बीघे क्षेत्रफल में विकसित की जा रही अवैध कॉलोनियों पर बुलडोजर चला दिया। यह कार्रवाई प्रवर्तन (जोन-1बी) की टीम ने विशेष अभियान के तहत की।केडीए के उपाध्यक्ष मदन सिंह गर्ब्याल और सचिव अभय कुमार पाण्डेय के निर्देशन में विशेष कार्याधिकारी/उपजिलाधिकारी डॉ. रवि प्रताप सिंह के नेतृत्व में यह ध्वस्तीकरण अभियान चलाया गया। कार्रवाई के दौरान ग्राम धरमपुर, कानपुर नगर में अलग-अलग स्थानों पर विकसित की जा रही तीन

तीन स्थानों पर हुई कार्रवाई

- केडीए ने जिन अवैध प्लाटिंग साइटों पर कार्रवाई की, उनमें
- पन्ना लाल, अदन, पूजा यादव, राकेश दीक्षित, सती प्रसाद आदि द्वारा लगभग 7 बीघे में की जा रही प्लाटिंग
- मॉ डेवलपर्स (सुनील कुमार गौर, चेतन बाजपेई आदि) द्वारा लगभग 5.5 बीघे में की जा रही प्लाटिंग
- सुनील कुमार, मृदुल जौहरी, राधेश्याम, सूरजवली, शंकर लाल, मोहन लाल आदि द्वारा लगभग 7 बीघे में की जा रही प्लाटिंग शामिल हैं।

अवैध प्लाटिंग साइटों को ध्वस्त किया गया।

प्राधिकरण की टीम ने बताया कि बिना स्वीकृत नक्शा और अनुमति के जमीन की प्लाटिंग कर भोले-भाले लोगों को प्लॉट बेचे जा रहे थे। अभियान के दौरान 03 जेसीबी मशीनों की मदद से अवैध कॉलोनियों में बनाए गए एंट्री गेट, सड़क, नाला, बाउंड्रीवाल, बिजली के खंभे, पिलर और निर्माणाधीन भवनों को ध्वस्त कर दिया गया।

19.5 बीघे में ध्वस्तीकरण

अधिकारियों ने की लोगों से अपील

विशेष कार्याधिकारी डॉ. रवि प्रताप सिंह ने कहा कि बिना प्राधिकरण की स्वीकृति के विकसित की जा रही कालोनियां भविष्य में कई समस्याओं को जन्म देती हैं।

ऐसी जगहों पर अक्सर सड़क, नाली, बिजली, पानी और सीवर जैसी मूलभूत सुविधाएं मानकों के अनुरूप नहीं होतीं, जिससे खरीदारों को नुकसान उठाना पड़ता है।उन्होंने आम जनता से अपील की कि प्लॉट खरीदने से पहले केडीए से स्वीकृति, नक्शा और ले-आउट की जांच अवश्य करें तथा केवल स्वीकृत कॉलोनियों में ही निवेश करें।केडीए अधिकारियों ने स्पष्ट किया कि अवैध निर्माण और प्लाटिंग के खिलाफ यह अभियान आगे भी लगातार जारी रहेगा।

कानपुर डिग्रीकांड: अधिवक्ता शमशाद से फिर होगी पूछताछ

- महापौर के बेटे ने पुलिस से छुड़ाया था
- डिग्री के अलावा आरोपियों से कॉल डिटेल्स ने भी बढ़ाया शक
- सर्विलांस पर लगे मोबाइल तो सामने आई हकीकत
- अधिवक्ता शमशाद आरोपियों के संपर्क में था

» बीपीएस न्यूज

कानपुर। कानपुर के फर्जी डिग्री मामले में अधिवक्ता शमशाद अली की मुश्किलें बढ़ने वाली हैं। पुलिस कॉल डिटेल्स और फर्जी एलएलबी डिग्री के आधार पर उन्हें दोबारा पूछताछ के लिए तलब करेगी। कानपुर में डिग्री खरीद फरोख्त मामले में शक के दायरे में आए अधिवक्ता शमशाद अली से पुलिस जल्द ही पूछताछ करेगी। इसके लिए उसे दोबारा थाने लाया जाएगा

सरगना से बातचीत के मिले सबूत, कॉल डिटेल्स ने खोली पोल

और उसके बयान लिए जाएंगे। पिछली बार पुलिस उसे किदवईनगर थाने नेकर आई थी, तो महापौर के बेटे अनुराग और अन्य अधिवक्ता छुड़ा ले गए थे। शमशाद के खिलाफ बाबूपुरवा थाने में धोखाधड़ी की भी रिपोर्ट दर्ज है।

किदवईनगर पुलिस ने 18 फरवरी को जूही कलां स्थित शैल ग्रुप ऑफ एजुकेशन कार्यालय में दबिश दी थी। कार्रवाई के दौरान पुलिस को मौके से उत्तर प्रदेश समेत नौ राज्यों के 14 विश्वविद्यालयों की एक हजार से ज्यादा मार्कशीट और डिग्री बरामद हुई थीं। पुलिस ने मौके से गिरोह के सरगना रायबरेली के ऊंचाहार निवासी शैलेंद्र कुमार ओझा, कौशांबी निवासी नागेंद्र मणि त्रिपाठी, गाजियाबाद निवासी जोगेंद्र तथा शुक्लागंज निवासी अश्वनी कुमार को गिरफ्तार कर 19 फरवरी को जेल भेजा था।वहीं, आरोपियों से पूछताछ के बाद शुभम दुबे, शेखू, छतरपुर निवासी मयंक भारद्वाज, हैदराबाद निवासी मनीष उर्फ रवि और गाजियाबाद निवासी विनीत के नाम सामने आने के बाद से उनकी तलाश की जा रही है।

आरोपियों ने पूछताछ में बाबूपुरवा के अजीतगंज निवासी शमशाद अली समेत शहर के 10 अधिवक्ताओं को एलएलबी की डिग्री उपलब्ध कराने की बात स्वीकार की थी। इसके बाद से पुलिस को पूछताछ के लिए उसकी तलाश थी।सोमवार को किदवईनगर पुलिस उसे लेकर थाने पहुंची थी और पूछताछ की थी। इसके कुछ देर बाद महापौर के अधिवक्ता बेटे अनुराग पांडेय शमशाद के समर्थन में थाने पहुंचे और उसे छोड़ने का दबाव बनाया।

इसके बाद पुलिस ने उसे लिखापढ़ी कर उनके साथ जाने दिया। मामले का वीडियो भी सोशल मीडिया पर खूब वायरल हुआ था।डीसीपी साउथ दीपेंद्र नाथ चौधरी ने बताया कि जल्द ही बाबूपुरवा निवासी अधिवक्ता शमशाद को पुलिस पूछताछ के लिए दोबारा बुलाएगी। वहीं आरोपियों की कॉल डिटेल्स में पुलिस को शैलेंद्र का नंबर मिला है। इसके चलते वह दो तरह से शक के दायरे में है। उसके खिलाफ बाबूपुरवा में भी धोखाधड़ी की रिपोर्ट दर्ज है।

शैलेंद्र और उसके तीन साथियों को जेल भेज चुकी पुलिस अब न्यायालय में आरोप पत्र दाखिल करने से पहले सबूत जुटाना चाहती है। इसमें लगी पुलिस आरोपियों के फरार चल रहे अन्य साथियों तक पहुंचने के लिए उनकी कॉल डिटेल खंगाल रही है। इसी पड़ताल में पुलिस को शमशाद का नंबर मिला था।उसकी कई बार और काफी देर तक आरोपियों से बातचीत होने के सबूत मिलने पर शमशाद पुलिस की नजरों में आ गया था। वहीं, एलएलबी की डिग्री मामले में नाम आने पर वह पहले से शक के दायरे में था। कॉल डिटेल्स से शक गहराने पर उसे थाने लाकर पूछताछ की गई थी। एसआईटी प्रभारी एडीसीपी साउथ योगेश कुमार ने कहा कि अधिवक्ता शमशाद आरोपियों के संपर्क में था। पूछताछ के लिए उसे फिर बुलाया जाएगा।

आयात महंगा और रुकने लगे भुगतान कच्चा तेल महंगा होने से उद्योगों पर संकट

» बीपीएस न्यूज

कानपुर। अमेरिका, इस्त्राइल और ईरान के बीच चल रहे युद्ध से चमड़ा, कपड़ा, प्लास्टिक उद्योग पर संकट के बादल मंडराने शुरू हो गए हैं। कच्चा तेल महंगा होने और आयात वस्तुओं के दाम बढ़ने से स्थितियां बिगड़ रही हैं। गैस की कीमतें बढ़ने की आशंका के चलते इकाइयों में उत्पादन धीमा हो गया है। इकाइयों को भुगतान भी रुकने लगा है। पेट्रोलियम पदार्थ पर निर्भर उद्योग प्लास्टिक, रसायन कारोबार पर आने वाले समय में महंगाई बढ़ने की संभावना है। इसका सीधा असर आम आदमी पर आएगा।

निर्यातकों के सामने और बड़ी समस्या हो गई है। शिपिंग कंपनियों ने मालभाड़ा और समुद्र जोखिम बीमा तीन गुना पहले ही कर दिया है, जो आगे और बढ़ सकता है। इसके अलावा कच्चा माल महंगा होने से उत्पादों की कीमतों में इजाफा होना तय हो गया है। आवश्यक वस्तु अधिनियम लागू होने से कानपुर, कानपुर देहात के प्लास्टिक उद्योग पर संकट ज्यादा दिख सकता है। कानपुर, उन्नाव, कानपुर देहात के रनियां में चमड़ा उद्योग का बड़ा कारोबार है।

250 के करीब टेनरियां और जूतों की फैक्टरी हैं। इसी तरह कानपुर नगर, देहात में प्लास्टिक, पैकेजिंग मैटीरियल आदि की 150 के करीब इकाइयां हैं। शहर में कपड़ा, रेडीमेड और होजरी का बहुत बड़ा कारोबार है। इन उद्योगों पर युद्ध का सीधा असर देखने को मिल रहा है। इन इकाइयों में एक लाख से ज्यादा लोगों को रोजगार मिल रहा है। कच्चा माल महंगा होने से इकाई संचालकों ने काम धीमा कर दिया है। ज्यादातर उद्योग गैस आधारित हैं। इसकी आपूर्ति में अनिश्चितता जैसी स्थिति होने की आशंका में ये कदम उठाए जा रहे हैं।

प्लास्टिक इंडस्ट्री एसोसिएशन के उपाध्यक्ष अतुल सेठ ने बताया कि केंद्र सरकार द्वारा तेल रिफाइनरियों को आवश्यक वस्तु अधिनियम के तहत एलपीजी उत्पादन बढ़ाने के निर्देश का असर अब उद्योगों पर भी दिखने लगा है। इस फैसले के बाद कानपुर के प्लास्टिक उद्योग में कच्चे माल की कमी और कीमतों में तेजी का संकट गहराने लगा है। उनका कहना है कि प्रोपेन और ब्यूटेन जैसी गैसों का बड़ा हिस्सा अब एलपीजी उत्पादन में लगाया जा रहा है।

इससे प्लास्टिक उद्योग को मिलने वाला कच्चा माल प्रभावित हो सकता है। केंद्र सरकार का यह कदम घरेलू गैस की आपूर्ति निर्बाध रखने के लिहाज से महत्वपूर्ण है लेकिन इसका असर उद्योगों पर पड़ना तय है। उन्होंने कहा कि प्लास्टिक निर्माण में इस्तेमाल होने वाले कच्चे माल की कीमतें पहले ही बढ़ने लगी हैं। प्लास्टिक दाना जो पहले करीब 130 रुपये किलो मिल रहा था, अब बढ़कर लगभग 190 रुपये किलो तक पहुंच गया है।अतुल सेठ ने बताया कि प्रोपेन और ब्यूटेन से बनने वाले कच्चे पदार्थ का इस्तेमाल प्लास्टिक फॉर्म, बैग और पीवीसी जैसे उत्पादों में किया जाता है। कच्चे माल की कमी और कीमतों में बढ़ोत्तरी का सीधा असर प्लास्टिक उद्योग पर पड़ेगा। इसके चलते पैकेजिंग सामग्री से लेकर आम लोगों के रोजमर्रा में इस्तेमाल होने वाली कई प्लास्टिक वस्तुएं महंगी हो सकती हैं। उद्योग से जुड़े हजारों कामगारों के सामने रोजगार का संकट खड़ा होने की भी आशंका जताई जा रही है। ऑर्गनाइजेशन (फियो) के संयोजक आलोक श्रीवास्तव ने बताया कि उत्पादों की लॉजिस्टिक कास्ट बढ़ने से कानपुर में आयातित होने वाले उत्पाद व वस्तुओं के दाम बढ़ गए हैं। युद्धग्रस्त देशों के अलावा यूरोप, अमेरिका से शहर में ऊर्जा और पेट्रोलियम उत्पाद, धातु और निर्माण सामग्री, एल्युमीनियम, स्टील और लोहे के उत्पाद, जिप्सम (सीमेंट उद्योग में), कीमती धातु और पत्थर, सोना, चांदी, हीरे और अन्य कीमती पत्थर, केमिकल उत्पाद, क्रोमियम, सल्फर, डाई और टैनिंग केमिकल, खजूर और सूखे मेवे, परफ्यूम और कॉस्मेटिक्स, इलेक्ट्रॉनिक्स और लक्जरी सामान, कच्चा धागा, यार्न, फाइबर, मशीनरी, प्लास्टिक से बने हुए दाने आदि का आयात किया जाता है।

उद्योगों की ऊर्जा लागत बढ़ रही है। केमिकल और लेदर फैक्टरियों के उत्पादन खर्च बढ़ रहे हैं। आयातित कच्चा माल देर से पहुंच रहा है। उत्पादन में देरी और लागत में वृद्धि हो रही है। लॉजिस्टिक और बीमा तीन गुना तक बढ़ गया है। अभी तक यूरोप के देशों में 28 दिन में माल पहुंच जाता था। अब 60-70 दिन लगने का अनुमान शिपिंग कंपनियां बता रही हैं। कच्चा माल भी महंगा हो गया है। चमड़ा उद्योग के सामने संकट का समय है। प्लास्टिक उत्पाद पेट्रोलियम आधारित होते हैं। पेट्रोलियम उत्पाद युद्ध की वजह से महंगे हो गए हैं। इसका सीधी असर प्लास्टिक उद्योग पर आ गया है। कच्चा माल महंगा होने से उत्पादन लागत बढ़ गई है। प्लास्टिक उत्पादों का रोजमर्रा की वस्तुओं में सीधा उपयोग होता है। ज्यादा उद्योग अब गैस आधारित हैं। आपूर्ति में अनिश्चितता के चलते उत्पादन कुछ धीमा किया गया हे। निर्यातक इकाइयों ने एमएसएमई के भुगतान भी रोकना शुरू कर दिया है। -दिनेश बरासिया, मंडल अध्यक्ष, आईआईएपॉलिस्टर यार्न धागा, पॉलिस्टर फाइबर के दाम में 10 दिन के भीतर में 15 प्रतिशत की तेजी आ गई है। जो यार्न पहले 140 रुपये प्रति किलो तक था, अब 160-165 रुपये किलो तक हो गया है। पॉलिस्टर यार्न धागा, पॉलिस्टर फाइबर का उपयोग सबसे ज्यादा फैशन या नॉन कॉटन कपड़ों में किया जाता है। कच्चा माल महंगा हो गया है। इससे तैयार उत्पाद भी महंगा हो गया है। ईंधन की आपूर्ति में अनिश्चितता के चलते उद्योग जगत में भय का माहौल बन गया है।

चप्पलों से पिटने वाला निकला साइंटिस्ट, पुलिस पर एडिशनल एसपी का झांसा देकर गांठा रौब

» बीपीएस न्यूज

कानपुर। घाटमपुर तहसील में दुष्कर्म पीड़िता और उसकी बेटियों ने वीडियो बनाने व थप्पड़ मारने के विरोध में फॉरेंसिक वैज्ञानिक की चप्पलों से पिटाई कर दी। पुलिस ने मां-बेटियों पर मारपीट की रिपोर्ट दर्ज की है। वहीं खुद को फर्जी एडिशनल एसपी बताकर रौब गांठने वाले वैज्ञानिक की पोल भी खुल गई है।कानपुर के घाटमपुर तहसील परिसर में शनिवार दोपहर दुष्कर्म की रिपोर्ट लिखाने वाली महिला व उनकी बेटियों की झांसी में तैनात फॉरेंसिक साइंस के वैज्ञानिक संतोष कुमार कुरील की चप्पलों से पिटाई कर दी। महिला ने बेटी का वीडियो बनाने और विरोध पर थप्पड़ जड़ने का आरोप लगाया है। वहीं, वैज्ञानिक का कहना है कि उन्हें कार से खींचकर पीटा गया है। दोनों पक्षों के बीच जमीन से संबंधित मामला कोर्ट में है।

पुलिस ने मां व बेटियों के खिलाफ मारपीट करने की रिपोर्ट दर्ज की है। घाटमपुर इंस्पेक्टर दिनेश सिंह बिष्ट के मुताबिक क्षेत्र के एक गांव निवासी महिला ने बताया कि उनका गांव के ही कैलाश से सिविल कोर्ट में जमीन का मुकदमा चल रहा है। वह शनिवार को दो बेटियों के साथ तारीख पर आई थीं। आरोप है कि संतोष कुमार कुरील उनकी बेटियों का वीडियो बना रहे थे।उन्होंने इसका विरोध किया तो कहासुनी हो गई। इस दौरान संतोष ने उन्हें थप्पड़ मार दिया। वहीं, फॉरेंसिक साइंस के वैज्ञानिक संतोष कुमार का आरोप है कि महिला की बेटियां उनको चप्पल दिखा रही थीं। उन्होंने विरोध किया, तो उनको कार से बाहर खींचकर लात-घूंसों व चप्पलों से पीटा गया। पुलिस दोनों पक्षों को थाने ले आई। संतोष कुरील की तहरीर पर महिला व उसकी दोनों बेटियों पर मारपीट की रिपोर्ट दर्ज की गई है।

मामले की जांच की जा रही है। वहीं, महिला ने थाना प्रभारी को बताया कि जमीन के मामले में मदद करने की आड़ पर संतोष कुरील ने उसके साथ लगभग दो वर्ष तक दुष्कर्म किया। उन्होंने इसकी रिपोर्ट घाटमपुर थाने में दर्ज कराई थी। संतोष ने मेडिकल रिपोर्ट में हेराफेरी कर दुष्कर्म की एफआईआर में फाइनल रिपोर्ट लगवा दी थी। महिला का आरोप है कि संतोष कुरील उसे लगातार मुकदमे की पैरवी न करने के लिए धमका रहा है।

एडिशनल एसपी बताकर रौब गांठा

पुलिस संतोष कुरील को थाने ले जाने लगी, तो उन्होंने खुद को एडिशनल एसपी बताते हुए पुलिस कर्मियों पर रौब गांठा। महिला का आरोप है कि थाने के गेट के पास पहुंचते ही उन्होंने कहा कि एडिशनल एसपी हूं जेल भिजवा दूंगा। थाना प्रभारी दिनेश सिंह बिष्ट से भी खुद को पहले एडिशनल एसपी बताया। हालांकि पुलिस की जांच में वह साइंटिस्ट निकला।

बीपीएस न्यूज
(साप्ताहिक समाचार पत्र)

मुद्रक प्रकाशक स्वात्वाधिकारी बुद्ध प्रकाश साहू द्वारा मां प्रिन्टर्स गार्डेन नं. 6-ए/7 रेल बाजार कानपुर नगर से मुद्रित एवं 344- बगाही भट्ठा टी.पी. नगर कानपुर से प्रकाशित। आर.एन.आई. नं. UPHIN/2016/66740, डाक पंजीयन सं. कानपुर सिटी 304/2024-2026, संपादक बुद्ध प्रकाश साहू मो.: 8423454502, व्हाट्सअप 9335908846
email:bps.knp786@gmail.com, info@bpsnews.in , www.bpsnews.in नोट-समस्त विवादों का न्यायक्षेत्र कानपुर नगर न्यायालय होगा। समाचार पत्र में प्रकाशित समस्त लेखों एवं समाचारों की जिम्मेदारी लेखकों व संवाददाताओ की होगी। कृपया कोई भी आपत्ति हो तो 15 दिनो के अंदर भेजे।